आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11 । अंक 151 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक
आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, गुरुवार, 05 जून, 2025

RCB के जश्न के दौरान भगदड़
11 की मौत और 33 लोग घायल

एजेंसी ● बंगलूरु

बेंगलुरु में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की विक्ट्री परेड में भगदड़ मच गई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि भगदड़ के दौरान 11 लोग मारे गए हैं। 33 लोग घायल हुए हैं, जो खतरे से बाहर हैं।

सिद्धारमैया ने कहा, 'विधानसभा में जब RCB टीम पहुंची तो विधानसभा के बाहर एक लाख लोग जमा थे। जश्न विधानसभा में हो रहा था, लेकिन भगदड़ चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई। स्टेडियम के बाहर 3 लाख लोग जमा थे। हमें इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। किसी ने इसकी उम्मीद नहीं की थी। हम इसके लिए तैयार नहीं थे। हादसे ने जीत की खुशी को मिटा दिया।'

सिद्धारमैया ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी सुरक्षा मुहैया कराना थी। इसके बाद क्रिकेट एसोसिशन को संभालना चाहिए था। स्टेडियम में एक छोटा गेट था। वहां बहुत सारे लोग जमा थे। उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया, जिसकी वजह से भगदड़ मची। CM ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए की मदद देने का ऐलान किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब स्टेडियम में आरसीबी टीम के सम्मान समारोह की शुरुआत होने वाली थी, तब एक साथ बड़ी संख्या में लोग अंदर जाने की कोशिश करने लगे। इससे भीड़ बेकाबू हो गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

ज्यादा भीड़ से बिगड़ी स्थिति

घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। हालात काबू में लाने के लिए हल्का बल प्रयोग भी किया गया। कई लोग बेहोश होकर गिर पड़े, जिन्हें एंबुलेंस से पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। कुछ लोगों को मौके पर ही सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की गई।

असहाय थी पुलिस- चश्मदीद

जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ पर चश्मदीद महेश ने बताया कि, 'विराट कोहली और आरसीबी टीम को देखने के लिए बहुत से लोग आए थे। बहुत सी लड़कियों ने गेट को धक्का देकर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में घुसने की कोशिश की। मैंने तीन लड़कियों को गिरते देखा, किसी ने उन्हें नहीं बचाया.. पुलिस भी असहाय थी क्योंकि बहुत सारे लोग आए थे'।

जारी की गई थी एडवाइजरी

बंगलूरू पुलिस की ओर से पहले ही सलाह दी गई थी कि केवल वैध टिकट या पास रखने वालों को ही स्टेडियम में प्रवेश मिलेगा। साथ ही लोगों को निजी वाहन लाने से बचने और मेट्रो या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने को कहा गया था, क्योंकि पार्किंग की सुविधा सीमित है। बता दें कि, यह विशेष सम्मान समारोह कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) की तरफ से आयोजित किया गया था। पहली बार आईपीएल जीतने के बाद आरसीबी टीम के खिलाड़ी अपने प्रशंसकों से मिलने स्टेडियम पहुंचे थे।

बंगलूरू भगदड़ के बाद सीएम सिद्धारमैया ने की अपील

बंगलूरू हादसे पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने ट्वीट कर लिखा, 'बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी टीम के जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में कई लोगों की जान जाने और कई के गंभीर रूप से घायल होने की खबर सुनकर हमें गहरा सदमा लगा है। इस त्रासदी के दर्द ने जीत की खुशी को भी खत्म कर दिया है। मृतकों की आत्मा को शांति मिले और घायलों और अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों को जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मेरी संवेदनाएं उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। ऐसी भगदड़ और भीड़ के बेकाबू होने के कारण अप्रिय घटना की आशंका के चलते टीम को विजय परेड में मार्च करने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, स्टेडियम के पास लोगों की भीड़ के कारण मची भगदड़ के कारण यह दुर्घटना हुई। मैं जनता से अपील करता हूं कि वे समझें कि प्यार और स्नेह से ज्यादा महत्वपूर्ण जीवन है और सुरक्षा को पहली प्राथमिकता दें।'

सीएम ने की पीड़ितों से मुलाकात और मुआवजे का एलान

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- चिन्नास्वामी स्टेडियम के निकट भगदड़ में घायल हुए लोगों का हालचाल जानने के लिए बॉरिंग और वैदेही अस्पताल का दौरा किया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। वहीं सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि बंगलूरू में आरसीबी के जश्न में हमारी उम्मीद से कहीं ज्यादा लोग जुटे। चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 2-3 लाख से ज्यादा लोग आए, किसी को इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। आरसीबी के जश्न में मारे गए ज्यादातर लोग युवा हैं। सरकार मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देगी।

सरकार को सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने चाहिए थे- कुमारस्वामी

बंगलूरु भगदड़ पर केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा, 'यह बहुत दुखद घटना है। कर्नाटक सरकार को सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने चाहिए थे। हर किसी को पता था कि कर्नाटक के लोग मैच के परिणाम के बाद उत्साहित थे। पूरी रात लोग जश्न मना रहे थे। आज आरसीबी की टीम ने जब बंगलूरु आने का निर्णय लिया और सरकार ने उन्हें आमंत्रित किया। टीम को आमंत्रित करने से पहले सरकार को लोगों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने चाहिए थे। जिन लोगों ने अपने परिवार के लोग खो दिए, मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं। भगवान उन्हें शक्ति दे।'

राज्य सरकार की प्रतिक्रिया

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि 'यह एक युवा और उत्साही भीड़ थी, ऐसे में लाठीचार्ज नहीं किया जा सकता।' डीके शिवकुमार ने आगे कहा, 'मैंने पुलिस कमिश्नर और सभी से बात की है, मैं बाद में अस्पताल भी जाऊंगा। मैं उन डॉक्टरों को परेशान नहीं करना चाहता जो मरीजों की देखभाल कर रहे हैं। अभी सही संख्या नहीं बताई जा सकती, हम लोगों से शांत रहने की अपील करते हैं। हमने कार्यक्रम छोटा कर दिया, पूरा कार्यक्रम 10 मिनट में ही खत्म हो गया। हम सब कुछ सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं... यहां पर लाखों लोग आए थे।

बंगलूरू भगदड़ पर पीएम मोदी ने जताया दुख

बंगलूरु भगदड़ की घटना पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। पीएम मोदी ने कहा- 'बंगलूरु में हुई दुर्घटना वाकई दिल दहला देने वाली है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि जो लोग घायल हुए हैं वे जल्द स्वस्थ हों।'

राहुल गांधी ने भी हादसे पर जताया दुख

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बंगलूरु में हुए हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने लिखा- आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान बंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई दुखद भगदड़ दिल दहला देने वाली है। मैं उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। सभी घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस दुख की घड़ी में, मैं बंगलूरु के लोगों के साथ खड़ा हूं।

चार राज्यों में अक्टूबर 2026 से जातीय जनगणना

पहले फेज में हिमाचल, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड, बाकी राज्यों में 1 मार्च 2027 से होगी

एजेंसी ● नई दिल्ली

केंद्र सरकार दो फेज में जातीय जनगणना कराएगी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि पहले फेज की शुरुआत 1 अक्टूबर 2026 से होगी। इसमें 4 पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।

1 मार्च 2027 से दूसरा फेज शुरू होगा। इसमें देश के बाकी राज्यों में जनगणना शुरू होगी। गृह मंत्रालय ने अपने प्रेस रिलीज में बताया कि जातियों की गणना के साथ-साथ जनसंख्या जनगणना भी कराने का फैसला लिया गया है। इससे जुड़ा नोटिफिकेशन 16 जून 2025 को आधिकारिक राजपत्र में पब्लिश किया जा सकता है।

केंद्र ने 30 अप्रैल 2025 को जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। देश में आजादी के बाद यह पहली जातीय जनगणना होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को

मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा।

कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

2011 में सामाजिक-आर्थिक गणना हुई, आंकड़े जारी नहीं मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था। हालांकि इस सर्वेक्षण के आंकड़े कभी भी सार्वजनिक नहीं किए गए। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर इसके SC-ST हाउसहोल्ड के आंकड़े ही जारी किए गए हैं।

जनगणना एक्ट 1948 में SC-ST की गणना का प्रावधान है। ओबीसी की गणना के लिए इसमें संशोधन करना होगा। इससे ओबीसी की 2,650 जातियों के आंकड़े सामने आएंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार, 1,270 SC, 748 एसटी जातियां हैं। 2011 में SC आबादी 16.6% और एसटी 8.6% थी।

जनगणना फॉर्म में 29 कॉलम, केवल SC-ST की डिटेल 2011 तक जनगणना फॉर्म में कुल 29 कॉलम होते थे। इनमें नाम, पता, व्यवसाय, शिक्षा, रोजगार और माइग्रेशन जैसे सवालों के साथ केवल SC और ST कैटेगरी से ताल्लुक रखने को रिकॉर्ड किया जाता था। अब जाति जनगणना के लिए इसमें एक्स्ट्रा कॉलम जोड़े जा सकते हैं।

जातियों की गिनती के लिए एक्ट में संशोधन करना होगा जनगणना एक्ट 1948 में SC-ST की गणना का प्रावधान है। ओबीसी की गणना के लिए इसमें संशोधन करना होगा। इससे ओबीसी की 2,650 जातियों के आंकड़े सामने आएंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार, 1,270 SC, 748 एसटी जातियां हैं। 2011 में SC आबादी 16.6% और एसटी 8.6% थी।

कोरोना का नया वैरिएंट 27 राज्यों में फैला

नई दिल्ली/मुंबई/बेंगलुरु/तिरुवनंतपुरम। देश में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मंगलवार को ही 300 नए केस मिले। सबसे ज्यादा गुजरात में 108 और महाराष्ट्र में 86 मामले सामने आए। इस तरह देश में एक्टिव केसों की संख्या 4302 पहुंच गई है। कोरोना 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से फैल चुका है। हालांकि 9 राज्यों में अब तक एक भी मामला नहीं है। सबसे ज्यादा 1373 एक्टिव केस केरल में हैं। वहीं महाराष्ट्र 510 केसों के साथ दूसरे नंबर है।

कोरोना के नए वैरिएंट्स से देश में जनवरी से अब तक 44 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 37 मरीजों की मौत बीते 5 दिन में हुई है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 4 मरीजों ने जान गई है। राज्य में मरने वाला की संख्या 14 पहुंच गई है। इसके अलावा बीते दिन दिल्ली, गुजरात और तमिलनाडु में भी 1-1 मौत हुई है।

ऑपरेशन सिंदूर : संजय झा और शिंदे का डेलिगेशन लौटा

एजेंसी ● नई दिल्ली

JD (U) सांसद संजय झा और शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व वाला डेलिगेशन बुधवार को भारत लौट आया। संजय झा के साथ 8 अन्य सदस्य पांच देशों के दौरे पर गए थे। इनमें इंडोनेशिया, मलेशिया, कोरिया, जापान और सिंगापुर शामिल है।

वहीं, शिंदे के साथ सात अन्य सदस्य 4 देश UAE, लाइबेरिया, कांगो गणराज्य और सिएरा लियोन की यात्रा पर थे। मंगलवार को भाजपा सांसद बैजयंत पांडा और DMK सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व वाले डेलिगेशन लौटे थे। बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाले ग्रुप में AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी समेत सात अन्य सदस्य हैं। इन्होंने चार देशों सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया का दौरा किया था। वहीं, कनिमोझी के नेतृत्व वाले ग्रुप में SP सांसद राजीव राय समेत सात अन्य सदस्य हैं। इन्होंने रूस, स्पेन सहित 5 देशों का दौरा किया।

बाकी 3 डेलिगेशन 8 जून तक विदेश दौरे से वापसी करेंगे। केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर का मकसद दुनिया को बताने के लिए सभी पार्टियों के कुल 59 सांसदों को 33 देशों में भेजा है। इन सांसदों के सात डेलिगेशन ग्रुप्स अलग-अलग देशों के दौरे पर हैं।

आठ पूर्व राजनयिक भी इन डेलिगेशन्स का हिस्सा हैं।

विदेश से लौटे डेलिगेशन्स से अगले हफ्ते मिल सकते हैं मोदी ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ भारत का रुख दुनिया को बताने गए डेलिगेशन ग्रुप्स से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते मुलाकात कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम मोदी सभी 7 डेलिगेशन ग्रुप से 9 या 10 जून को मिलेंगे। इस दौरान डेलिगेशन अपने दौरे की रिपोर्ट प्रधानमंत्री को देंगे।

भाजपा के बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला डेलिगेशन आज मंगलवार को भारत लौट आया है। इस ग्रुप में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, फंगनन कोन्याक और रेखा शर्मा, AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी, सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद और पूर्व विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला शामिल हैं। इन्होंने सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया 4 देशों की यात्रा की।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के हॉस्पिटैलिटी स्किल्स क्लब द्वारा

'ग्लेज्ड वेजिटेबल्स' पर मास्टरक्लास का किया गया आयोजन

संवाददाता ● भोपाल

आयोजन

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल के स्कूल ऑफ टूरिज़्म एंड हॉस्पिटैलिटी के हॉस्पिटैलिटी स्किल्स क्लब द्वारा "ग्लेज्ड वेजिटेबल्स" पर एक विशेष कुलिनरी मास्टरक्लास का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और व्यावसायिक स्तर की कुकिंग तकनीकों के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय परिसर स्थित कॉमर्स भवन के सेमिनार हॉल में संपन्न हुई, जिसमें 24 छात्र और 4 फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन स्कूल ऑफ टूरिज़्म एंड हॉस्पिटैलिटी के सहायक प्राध्यापक और वरिष्ठ शेफ हेमंत कुमार यादव ने किया, जिनका इस क्षेत्र में गहन अनुभव है।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को ग्लेज़िंग तकनीकों की मूल बातें सिखाई गईं, जिनमें सब्ज़ियों की रंगत, बनावट और स्वाद को बेहतर बनाकर उनके प्रेज़ेंटेशन को आकर्षक बनाने के तरीके शामिल थे। शेफ हेमंत यादव ने न केवल टेक्निकल प्रेज़ेंटेशन दी बल्कि लाइव डेमो के माध्यम से विभिन्न ग्लेज़िंग विधियों को व्यावहारिक रूप में प्रदर्शित भी किया। इसके पश्चात छात्रों ने अपने-अपने व्यंजन तैयार कर शेफ के मार्गदर्शन में प्रायोगिक अभ्यास किया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने तैयार की गई डिश का स्वाद लेकर उसके स्वाद, बनावट और पोषण तत्वों का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने प्रश्न पूछे और शेफ से इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवों को साझा करने का अनुरोध किया।

कार्यशाला की सफलता पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं है, बल्कि छात्रों को व्यावसायिक दक्षताओं से भी लैस करना है, जिससे वे रोजगार योग्य बन सकें। इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों के कौशल विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं।

कुलगुरू डॉ. विजय सिंह ने कहा कि यह कार्यशाला छात्रों को इंडस्ट्री-रेडी बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है और हमें प्रसन्नता है कि हमारे शिक्षक और छात्र इस तरह की अभिनव शिक्षण प्रक्रियाओं में भाग ले रहे हैं। कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा ने भी इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क को निखारने का कार्य करते हैं, जो आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यशाला ने न केवल छात्रों के पाक कौशल को बढ़ाया बल्कि उन्हें होटल उद्योग में प्रयोग होने वाली आधुनिक तकनीकों और मानकों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम के समन्वयक विभागाध्यक्ष प्रो. लोचन नागर रहे, जिनके मार्गदर्शन में कार्यशाला को संपन्न किया गया।

शॉट न्यूज

जेल से छूटने के बाद करने लगा पीछा और छेड़छाड़

इंदौर। बाणगंगा इलाके में दुष्कर्म पीड़िता को जेल से छूटने के बाद बदमाश ने परेशान करना शुरू कर दिया। कभी पीछा करके छेड़छाड़ करता तो कभी पीड़िता की मां को फोन कर पीड़िता को ले जाने की बात कहकर धमकाता। अब पीड़िता ने फिर उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई हैं। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक घटना नंदबाग इलाके की हैं। 19 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर छत्रपति नगर निवासी एक आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और धमकाने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया हैं। पीड़िता ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि उसकी कॉलोनी में रहने वाली एक महिला के घर आरोपी राहुल पोरवाल आता-जाता था, जिसके कारण मैं उसे जानती थी। आरोपी राहुल पोरवाल एक साल पहले मुझे बहला फुसलाककर भगाकर ले गया था।

एक ही रात में चोरों ने तीन स्थानों पर चटकाए ताले

इंदौर। इलाके में चोरों ने नक्षत्र कॉलोनी में एक ही रात में तीन घरों के ताले चटखाए और लाखों के जेवर और नकदी ले उड़े। बदमाशों की संख्या 3 से 5 बताई गई है। आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। इस घटना से रहवासियों में भय और रोष व्याप्त हो गया। पुलिस ने फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक चोरियों की वारदात नक्षत्र कॉलोनी में रहने वाले सिलाई कारीगर सोहन खेर, बैक कर्मचारी रामदयाल हर्रा और अशोक सोलंकी (सेन) के सूने मकानों में हुई। इनके मकानों में चोरों ने ताले तोडे और भीतर घुस गए। आरोपी लाखों के जेवर और नकदी चुरा ले गए। इससे कॉलोनीवासियों में भय और आक्रोश व्याप्त हो गया। सीसीटीवी कैमरे में रात्रि 3 बजे से 3:30 तक बदमाशों ने आसपास के घरों को टटोला और वारदात को अंजाम देकर भाग गए।

रेनॉल्ट इंडिया ने डिस्कवरी डेज़ की शुरुआत की, 10 दिनों तक मिलेंगे धमाकेदार ऑफ़र्स

0% ब्याज दर पर फाइनेंसिंग, प्रोसेसिंग फीस में 50% की छूट

संवाददाता ● मुंबई

फ्रेंच कार निर्माता रेनॉल्ट ग्रुप की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय शाखा रेनॉल्ट इंडिया ने आज 'रेनॉल्ट इंडिया डिस्कवरी डेज़' के लॉन्च की घोषणा की। यह एक रोमांचक अखिल भारतीय कैंपेन है, जो 6 जून से 16 जून 2025 तक चलेगा। इस पहल के तहत, रेनॉल्ट इंडिया ग्राहकों को अपने देशभर के शोरूम पर आमंत्रित कर रही है, जहां वे कंपनी की रोमांचक गाड़ियों की रेंज देख सकते हैं — अब रेट्रोफिट सीएनजी विकल्पों के साथ। इसके अलावा, पहली बार मिलने वाले बेहतरीन ऑफ़र्स भी ग्राहकों को मिलेंगे, जो उनकी खरीद को और भी आसान और किफायती बना देंगे।

रेनॉल्ट डिस्कवरी डेज़ दो लगातार वीकेंड पर शोरूम्स को जीवंत गतिविधियों के केंद्र में बदल देगा, जहाँ थीम आधारित कार्निवल, उपभोक्ताओं के लिए रोमांचक इवेंट्स और दिलचस्प अनुभव होंगे। ये आयोजन ऑटोमोबाइल प्रेमियों, परिवारों और पहली बार गाड़ी खरीदने वालों से जुड़ने के उद्देश्य से आयोजित किए जाएंगे। इस सीमित समय के जश्न के दौरान, रेनॉल्ट लोकप्रिय RXT, RXT+ और RXZ वेरिएंट पर विशेष ऑफ़र पेश कर रहा है, जिसमें शामिल हैं। संपूर्ण रेनॉल्ट लाइन-अप में आकर्षक NRFSI 0% ब्याज दर NRFSI प्रोसेसिंग शुल्क पर 50% छूट 40,000 तक के एक्सचेंज लाभ रेनॉल्ट ग्राहकों और रेनॉल्ट परिवार के भीतर अपग्रेड करने वालों के लिए अतिरिक्त लॉयल्टी और सेगमेंट लाभ। इस पहल पर बात करते हुए रेनॉल्ट इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स और मार्केटिंग), श्री फ्रांसिस्को हिडाल्गो ने कहा: "हम भारतीय बाजार में रेनॉल्ट डिस्कवरी डेज़ को लॉन्च करके बेहद उत्साहित हैं। यह अभियान न केवल प्रोडक्ट डिस्कवरी को बढ़ावा देता है, बल्कि ग्राहकों को बेहतरीन ऑफ़र्स और शोरूम में खास अनुभव भी प्रदान करता है। इस पहल के ज़रिए हमारा उद्देश्य रेनॉल्ट के प्रति लोगों के जोश को फिर से जगाना है, हमारे उत्पादों में मौजूद इनोवेशन को सामने लाना है और हमारे ग्राहकों की वफादारी का सम्मान करना है — वो भी ऐसे फायदों के साथ, जो वाकई मायने रखते हैं। चाहे आप हमारे स्टाइलिश सिटी हैचबैक को पसंद करें, एडवेंचर के लिए तैयार एसयूवी की तलाश में हों या ईको-फ्रेंडली रेट्रोफिट सीएनजी विकल्प की ओर आकर्षित हों — हम हर कदम पर एक शानदार रेनॉल्ट अनुभव देने के लिए तैयार हैं।" भारत की विविध और चुनौतीपूर्ण सड़कों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई रेनॉल्ट की कारों में स्मार्ट डिज़ाइन, फ्यूल एफिशिएंसी और आधुनिक फीचर्स का बेहतरीन मेल है। ग्राहक इस उत्सव के दौरान अपनी पसंदीदा रेनॉल्ट कार के लिए 16 जून से पहले टेस्ट ड्राइव बुक कर सकते हैं, स्पेशल डील्स का लाभ उठा सकते हैं, और रेनॉल्ट अनुभव को और करीब से महसूस कर सकते हैं।

मेपकास्ट द्वारा पूरे प्रदेश में पैतीस सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से मनाया जाएगा विश्व पर्यावरण दिवस

संवाददाता ● भोपाल

म.प्र.विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, म.प्र. शासन) द्वारा दिनांक 05 जून, 2025 को पूरे प्रदेश में 35 से अधिक स्थानों पर विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया जा रहा है। उक्त आयोजन में प्रदेश के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय, वैज्ञानिक संस्थान एवं अन्य संस्थाएं भी सहभागिता करेंगी। परिषद परिसर में ''सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन स्टेम एजुकेशन'' विद्यार्थियां के लिए पर्यावरण आधारित हैंड्स ऑन, टेक्निकल शो, आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर सभी के लिए 'आओ करके देखे' के अंतर्गत इको फ्रेंडली माटी शिल्प उत्पाद बनाने पर भी कार्यशाला आयोजित की जाएगी। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (MPCST), भोपाल के अंतर्गत संचालित सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (CCL) द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित इस विशेष शैक्षणिक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान भवन, नेहरू नगर, भोपाल में दिनांक 5 जून 2025 को प्रातः 10:00 बजे से किया जाएगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण चेतना का प्रसार करना तथा नवीन वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक समाधानों के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। इस अवसर पर कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों हेतु विभिन्न शिक्षण गतिविधियों का संचालन किया जाएगा, जिनमें निम्न प्रमुख बिंदु सम्मिलित हैं। वैज्ञानिक प्रस्तुतियाँ (STEM शो), ग्लोबल वार्मिंग पर इंटरैक्टिव वर्कशॉप, नवाचार आधारित पर्यावरण समाधानों पर विशेषज्ञ व्याख्यान, हैंड्स-ऑन क्रियात्मक गतिविधियां, पर्यावरण अनुकूल पॉटरी उत्पाद निर्माण पर प्रशिक्षण (यह सत्र आमजन के लिए खुला रहेगा), इच्छुक विद्यार्थी एवं नागरिक निम्न लिंक अथवा QR कोड के माध्यम से कार्यक्रम हेतु पंजीकरण कर सकते हैं, https://tinyurl.com/CCLWED2025, इस कार्यक्रम के समुचित प्रचार प्रसार हेतु सादर निवेदन है।

बिजली कंपनी ने करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने किया आगाह

हाईटेंशन लाइनों से दूर लगाएं हाथ ठेले व दुकानें

संवाददाता ● भोपाल

सहयोग

मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आम जनता तथा हाथ ठेले पर सामान बेचने वालों को अगाह किया है कि वे अपने हाथ ठेले तथा फुटकर सामान की दुकानें हाईटेंशन लाइनों से दूर लगाएं। कंपनी ने कहा है कि जरा सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए आमजन भी करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम में सहयोग करें एवं बिजली लाइनों तथा ट्रांसफार्मर से उचित दूरी बना कर ही अपना सामान बेचने के लिए रखें। कई जगह चाय की गुमठियां भी विद्युत लाइनों के समीप तथा ट्रांसफार्मरों से सटाकर चलाई जा रही है, जिनके कारण करंट लगने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील में कहा है कि विद्युत लाइनों / ट्रांसफार्मरों एवं उपकरणों के साथ छेड़छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनायें रखें। यदि आँधी तूफान में खंबे /तार टूटे हों तो इसकी सूचना तत्काल शिकायत कॉल सेंटर के टोल फ्री नं. 1912 पर / उपाय एप एवं समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय में दें। जमीन पर पड़े तारों को छूने या स्पर्श करने की गलती न करें साथ ही पार करने का प्रयास न करें। पान टपरों तथा ऐसी दुकानों जिनमें लोहे की चादर का इस्तेमाल होता है, में वायरिंग को सुरक्षित ढंग से पी.वी.सी. पाईप के द्वारा ही कराई जाए। किसी प्रकार की कटी-फटी लूज वायरिंग से जान-माल का खतरा हो सकता है। बारिश के दौरान विद्युत खम्बे /स्टे के पास पानी भराव वाले स्थान से निकलने की जल्दी न करें। सावधानी अवश्य बरतें क्योंकि बारिश के दौरान करंट लीकेज की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि बच्चों और मवेशियों का विशेष ध्यान रखें। अपने मवेशी को बिजली के खम्बे, स्टे वायर इत्यादि से न बांधें। कपड़े सुखाने के लिये जी.आई. तार अथवा रस्सी, सर्विस लाईन के पाईप या बिजली के खम्बों से कभी न बांधें। इसमें करंट आने की संभावना बनी रहती है। घर की दीवार, उपकरण, नल आदि में लीकेज करंट आने पर प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियन से तत्काल ठीक कराएं।

मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि घरेलू विद्युत उपकरणों, वायरिंग, स्विच इत्यादि को स्वयं सुधारने के बजाय किसी प्रशिक्षित एवं अनुभवी इलेक्ट्रीशियन की सेवाएं लें। मानव जीवन अमूल्य है। बिजली के स्विच / सॉकिट / बिजली उपकरण बच्चों की पहुंच से दूर रखें। विद्युत पोल से ही कनेक्शन लें, बीच तारों में कटिया डालकर विद्युत का उपयोग न करें, यह दण्डनीय अपराध है। शादी, धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों में अतिरिक्त भार हेतु अस्थायी कनेक्शन लें तथा उचित क्षमता की उच्च गुणवत्ता की केबिल का ही उपयोग करें। कटे फटे तारों का उपयोग कतई ना करें। स्वीकृत भार से अधिक लोड का उपयोग न करें। उचित क्षमता के एम.सी.सी.बी / कट-आउट लगाने के साथ ही अच्छी गुणवत्ता की वायरिंग का ही उपयोग करें। वर्ष में 1 बार अपने परिसर की वायरिंग, फिटिंग, अर्थिंग अनुभवी एवं दक्ष इलेक्ट्रीशियन से अवश्य चैक कराएं। विद्युत लाईन के नीचे एवं ट्रांसफार्मरों के नजदीक भवन निर्माण/ दुकान/ बैनर/ ईट भट्टा न लगाएँ। विद्युत लाईन के नीचे कोई स्थाई-अस्थाई निर्माण न करें। फसल इत्यादि का संग्रहण न करें। विद्युत लाइनों से सुरक्षित दूरी पर ही निर्माण करें।

निसान मैग्नाइट ने 2,00,000 यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार किया

संवाददाता ● गुरुग्राम

घोषणा

निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएमआईपीएल) ने आज अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी निसान मैग्नाइट की उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की। निसान मैग्नाइट ने 2020 में अपनी लॉन्चिंग के बाद से घरेलू एवं विदेशी बाजार में कुल 2,00,000 यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। यह भारत में निसान के सफर का उल्लेखनीय पड़ाव है और दुनियाभर के ग्राहकों के बीच मैग्नाइट की लोकप्रियता का प्रतीक है। बोल्ड डिजाइन, सेफ्टी, क्लास लीडिंग फीचर्स और एक्सेप्शनल वैल्यू के बेहतरीन कॉम्बिनेशन के साथ निसान मैग्नाइट ने बी-एसयूवी सेगमेंट को नई परिभाषा दी है। घरेलू एवं वैश्विक दोनों बाजारों में इसकी सफलता इसकी यूनिवर्सल अपील और निसान की 'वन कार, वन वर्ल्ड' की फिलॉसफी की मजबूती को दर्शाती है।

निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर मैग्नाइट की कुल 2,00,000 यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पूरे निसान मोटर इंडिया परिवार के लिए गर्व का क्षण है। डायनामिक डिजाइन, सुपीरियर क्वालिटी, वैल्यू और इनोवेटिव फीचर्स के माध्यम से नई निसान मैग्नाइट दुनियाभर में ग्राहकों की उम्मीदों को पूरा कर रही है। हम भारत और पूरी दुनिया में अपने ग्राहकों के आभारी हैं कि उन्होंने मैग्नाइट पर अपना भरोसा जताया है और निसान ब्रांड को इतना प्यार दिया है। 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन के तहत अपने घरेलू एवं निर्यात प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार की दिशा में काम करते हुए हम भारतीय बाजार, हमारे ग्राहकों, डीलर पार्टनर्स और हितधारकों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।'

निसान मोटर इंडिया ने हाल ही में अपनी नई निसान मैग्नाइट के लिए सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रो फिटमेंट किट की पेशकश का भी एलान किया है। इससे वैकल्पिक ईंधन की तलाश कर रहे ग्राहकों की मांग को पूरा करना संभव होगा। मोटोजेन द्वारा मैन्यूफैक्चर्ड एवं क्वालिटी एश्योर्ड किट को सरकार द्वारा अधिकृत फिटमेंट सेंटर पर 74,999 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर लगाया जाएगा। यह किट नई मैग्नाइट के 1.0 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन (मैनुअल ट्रांसमिशन) वैरिएंट के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। नई निसान मैग्नाइट एसयूवी की बोल्ड एवं स्टाइलिश डिजाइन, 20 से ज्यादा फर्स्ट एवं बेस्ट-इन सेगमेंट फीचर्स और 55 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में पसंदीदा विकल्प बनाते हैं। अपनी बोल्ड रोड प्रजेंस, प्रीमियम फीचर्स और वैश्विक स्तर पर बढ़ती पहुंच के साथ नई निसान मैग्नाइट अब 65 से ज्यादा देशों में उपस्थित है, जिनमें राइट हैंड ड्राइव और लेफ्ट हैंड ड्राइव दोनों बाजार शामिल हैं।

भोपाल मंडल आज अंतरराष्ट्रीय समपार जागरुकता दिवस मनाएगा

संवाददाता ● भोपाल

पश्चिम मध्य रेलवे के द्वारा 05 जून को अंतरराष्ट्रीय रेलवे समपार जागरुकता दिवस के रूप में आयोजित किया जा रहा है। द इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेल्वेज (यू आई सी) जिससे भारतीय रेलवे भी संबद्ध है, के तत्वधान में 50 से अधिक राष्ट्रों में समपार फाटक जागरुकता दिवस का आयोजन किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर यह 17वां वर्ष है, जब इस दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस दिवस का सदुपयोग समपार उपयोगकर्ताओं एवं रेल कर्मियों के मध्य जागरुकता एवं संरक्षा के प्रचार प्रसार एवं वृद्धि के उद्देश्य से किया जाता है। इस दिवस के आयोजन के माध्यम से समपार में होने वाली दुर्घटनाओं में कमी कर उसके कारण होने वाली जनहानि को कम किया जा सकता है। इस वर्ष इस दिवस की थीम है ''अच्छे निर्णय लेने में लोगों की सहायता करें'' तथा इस वर्ष का ध्येय वाक्य ''हर समय, सही निर्णय'' है।

पश्चिम मध्य रेल पर यद्यपि अभी कोई भी मानव रहित समपार फाटक शेष नही बचा है, तथा मानव सहित व्यस्ततम समपार फाटकों को भी चरणबद्ध तरीके से धीरे-धीरे रोड अंडर ब्रिज एवं रोड ओवर ब्रिजों का निर्माण करते हुए हटाने की कार्यवाही की जा रही है, एवं, मानव सहित समपार फाटकों को भी इंटरलॉक किया जा रहा है। भोपाल मंडल द्वारा समस्त समपार फाटक उपयोगकर्ताओं एवं रेल कर्मियों से आव्हान किया गया है कि रेलवे के समपार फाटक से गुजरते समय सुरक्षित तरीके से इसे पार करें, रेलवे पटरी को पार करते समय मोबाइल फोन पर बात करते हुए या इयरफोन का उपयोग करते हुए अपनी जान के साथ खिलवाड़ ना करें तथा, यदि ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए रेल समपार फाटक बंद है तो फाटक के नीचे से अपने वाहन को असुरक्षित तरीके से निकालते हुए पटरी ना लांघे, ना ही गेटमेन पर जबरन गेट खोलने का दबाव बनायें। बंद गेट को टक्कर मारकर रेल आवागमन को बाधित ना करें। क्योंकि, मोटर वाहन अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत यदि कोई भी व्यक्ति उपरोक्त में से किसी भी अपराध के लिये दोषी पाया जाता है तो उसे कड़ा कारावास या आर्थिक दंड़ या दोनों की सजा भी दी जा सकती है।

बच्चों के मानसिक विकास में आयोडीन की अहमियत समझाता, टाटा नमक का नया अभियान

देश में गूंजे आयोडीन की धुन नमक हो टाटा का

संवाददाता ● मुंबई

अभियान

पहले कैंपेन 'नमक हो टाटा का टाटा नमक' को उपभोक्ताओं से मिले प्यार से प्रेरित होकर, देश में आयोडीन युक्त नमक के नंबर 1 ब्रांड टाटा साल्ट ने, 'नमक हो टाटा का टाटा नमक' के दूसरे संस्करण को आईपीएल फाइनल में लांच किया है। देश भर में लोगों का टाटा नमक से प्यार, और जुड़ाव को और गहरा बनाता ये कैंपेन, ब्रांड की प्रतिष्ठित जिंगल को, ब्रांड के उद्देश्य से जोड़ते हुए, एक नए सिरे से पेश कर रहा है। नए कैंपेन में दिल को छू लेने वाली 8 शानदार ब्रांड फिल्में हैं, जो पुरानी यादों को ताज़ा करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश देती हैं: टाटा नमक, आयोडीन की सही मात्रा से बच्चों के मानसिक विकास में सहायता करता है, जिससे देश का भविष्य और भी सशक्त बनता है। 'देश का नमक' के दर्जे को और भी मजबूत करते हुए, यह अभियान एक मनोरंजक और मधुर अंदाज़ में टाटा नमक की गुणवत्ता और भरोसे को उजागर करता है। ओगिल्वी द्वारा परिकल्पित, इस कैंपेन में ज़िंदगी के रोज़मर्रा के पल दिखाए गए हैं लोरी सुनाती हुई माँ, क्लासरूम में पढ़ाती हुई टीचर, या एक हँसता-खिलखिलाता परिवार, हर दृश्य में टाटा नमक एक अहम साथी के रूप में मौजूद है – ऐसा साथी जो सालों से हर भारतीय रसोई का हिस्सा रहा है। भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुडी ये फिल्में, हिंदी भाषी क्षेत्रों के घरेलू माहौल, बंगाल के भावनात्मक क्षणों और मराठी घरों की आत्मीय संस्कृति को दर्शाती हैं। हर पीढ़ी से जुड़ने वाली ये कहानियाँ, रोजमर्रा के पलों और भावनाओं को सामने लाती हैं। एक फिल्म में स्कूल की टीचर बच्चों को आयोडीन का महत्व सिखाती हैं। वहीं दूसरी फिल्म एक चहल-पहल वाले घर की कहानी है, जहाँ हर पकवान और हर प्यार भरी बात में टाटा नमक मौजूद है। अपनी यादगार और सुरीली धुन के साथ, यह अभियान गर्व से टाटा साल्ट को 'देश का नमक' के रूप में प्रस्तुत करता है। आईपीएल के दौरान दिखाया जाने वाला यह अभियान देश के कोने-कोने में गूंजेगा और करोड़ों दिलों तक पहुँचेगा।

इस कैंपेन के बारे में दीपिका भान, प्रेसिडेंट

पैकेज्ड फूड्स, टाटा कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, कहती हैं, "यह पिछले साल के हमारे कैंपेन का एक स्वाभाविक और खूबसूरत विस्तार है। 'देश का नमक' सिर्फ एक जिंगल नहीं, बल्कि वह भरोसा है जो पिछले चार दशकों में गुणवत्ता और सच्चाई के साथ जुड़ा है। यह नया संस्करण उपभोक्ताओं से हमारे रिश्ते को और गहरा बनाएगा और उनकी खुशी और भरोसे के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता दोहराएगा।" अनुराग अग्निहोत्री, चीफ क्रिएटिव ऑफिसर (मुंबई और कोलकाता), ओगिल्वी, ने कहा, "टाटा नमक यह बताना चाहता था कि आयोडीन से बच्चों का दिमाग़ तेज़ बनता है। लेकिन इतनी अहम बात लोगों तक कैसे पहुँचे? इसलिए हमने 80 के दशक की यादों को फिर से ज़िंदा किया - वह दौर जब हर बात एक जिंगल से यादगार बन जाती थी। हमने अपनी आयोडीन की कहानी को उसी लहज़े में सजाया और उसे जीवन के अलग अलग पहलुओं से दिखाया - चाहे वह एक विदाई हो, क्लासरुम हो या किटी पार्टी। यह हमारी तरफ़ से विज्ञापन के सुनहरे युग को लिखा गया एक प्रेम पत्र है - जिसे आज के दर्शकों के लिए गढ़ा गया है।"

एबी रोड पर मांगलिया में बन रही लैब का कार्य अंतिम चरण में

दो माह में तैयार हो जाएगी शहर की आधुनिक फूड टेस्टिंग लैब

संवाददाता ● इंदौर

एबी रोड पर मांगलिया में बन रही आधुनिक फूड टेस्टिंग लैब का कार्य अंतिम दौर में है। बताया जा रहा है कि करीब 2 महीने में इसका उद्घाटन किया जा सकता है। लैब में इंफ्रास्ट्रक्चर का संपूर्ण कार्य पूर्ण हो चुका है बस अब फिनिशिंग का कार्य बाकी है। यह भी तेजी से चल रहा है जो इसी माह कंप्लीट होने की पूरी संभावना है। लैब में आधुनिक टेस्टिंग मशीन में भी इंस्टॉल की जा रही है। यदि सब कुछ ठीक रहा तो करीब 2 महीने में यह लेप चालू हो सकती है।

टेस्टिंग

जानकारी अनुसार शहर में खाद्य सैंपलों की जांच के लिए लैब की कमी के चलते इसका निर्माण किया गया है। अभी तक खाद्य पदार्थों के सैंपल ब्याज के लिए भोपाल भेजना पड़ते हैं। बताया जा रहा है कि करीब दो माह में इस आधुनिक फूड टेस्टिंग लैब का उद्घाटन किया जा सकता है। 5 करोड़ से अधिक लोकधन की लागत वाली शहर की पहली और प्रदेश की दूसरी नई आधुनिक फूड लैब की सौगात आमजन को मिल जाएगी।जिसका काम वैसे तो लंबे समय से चल रहा था, लेकिन अब बेहद जल्द इसका संपूर्ण काम पूरा होने वाला है। दरसअल एबी रोड पर मांगलिया के तलावली चांदा में बन रही नई आधुनिक लैब के ज्यादातर काम लगभग पूरे हो चुके हैं। खासकर बिल्डिंग निर्माण संबधित तमाम सिविल वर्क तो कई माह पहले ही कंप्लीट हो चुकें है। अब केवल फायनल स्टेज पर फिनिशिंग वर्क के साथ बचे काम जो इन दिनों तेजी के साथ चल रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक जो काम बचें है वो अगले कुछ दिन में पूरे हो जाएंगे। इसके साथ ही यहां आधुनिक मशीनें लगाने के काम भी इन दिनों तेजी के साथ अंतिम दौर में चल रहे हैं।

15 दिन का नियम, महीनों बीत जाते हैं जांच रिपोर्ट आने में

दरसअल, अभी इंदौर सहित प्रदेशभर के खाद्य सुरक्षा विभाग को भोपाल की एक मात्र स्टेट लैब के भरोसे रहना पड़ता है।किसी भी प्रकार की जांच के लिए भोपाल की एक मात्र स्टेट फूड लैब में जांच के लिए सैंपल भेजना पड़ते है। यहां 15 दिन की समय सीमा की बाध्यता के बावजूद एक से डेढ़ माह तक भी जांच रिपोर्ट के लिए इंतजार करना पड़ता है। इसके बाद भी कभी समय पर रिपोर्ट नहीं आ पाती।जिसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि इंदौर-भोपाल के अलावा ग्वालियर सागर, देवास उज्जैन, जबलपुर सहित अन्य शहरों के खाद्य पदार्थों की जांच भी इसी एक मात्र स्टेट लैब में हो रही है। इसीलिए छह साल पहले इंदौर ग्वालियर और जबलपुर में एक साथ नवीन फूड लैब बनाने के लिए काम शुरु हुआ था, ताकि भविष्य में भोपाल की स्टेट लैब के भरोसे पूरे प्रदेश के लोगों को नहीं रहना पड़ें। जबकि अब नई लैब निर्माण का काम इन दिनों अंतिम दौर में तेजी से चल रहा है।

शॉर्ट न्यूज

मवेशियों को देखने निकले किसान की सड़क हादसे में मौत

इंदौर। मिर्जापुर क्षेत्र में एक किसान की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपने मवेशियों को देखने निकले तभी तेज रफ्तार में दौड़ रही मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी उपचार के दौरान बड़े अस्पताल में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक किसान का नाम विक्रम पिता राधेश्याम केवट 50 साल निवासी देपालपुर है। वह रोज की तरह सुबह मवेशियों को देखने निकले थे तभी मिर्जापुर के पास तेज रफ्तार में दौड़ रही मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विक्रम दूर जाकर सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए बड़े अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी मौत हो गई। बताया जाता है की हद से मैं मोटरसाइकिल चालक भी घायल हुआ है। पुलिस ने चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

लाखों की ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने तस्कर को गिरफ्तार कर 18 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है, जिसकी कीमत पौने 4 लाख रुपए है। शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल आरोपियों के खिलाफ लगातार पुलिस कार्रवाई कर रही है। क्राइम ब्रांच टीम आईएसबीटी बस स्टैंड के पास चैकिंग कर रही थी तभी एक संदिग्ध व्यक्ति देखा जो पुलिस को देखकर भागने लगा जैसे गहरा बंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम जावेद खान पिता बाबू खान 36 साल निवासी बेटमा बताया। तलाशी लेने पर 18 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया रे बताया कि आरोपी जावेद खान के खिलाफ जुआ, चोरी, मारपीट आदि के 17 अपराध बेटमा गांधीनगर एवं धार जिले के पीथमपुर आदि थाने में दर्ज है। आरोपी ड्रग्स का नशा करने वाले लोगों को ड्रग्स भेजता था। चौथी कक्षा तक पढ़ा जावेद ड्राइवरी का काम करता था और जल्दी पैसा कमाने के चक्कर में वह तस्कर बन गया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया।

घर में काम करने वाली महिला |से दुष्कर्म

इंदौर। ग्वालटोली इलाके में घर में काम करने आने वाली महिला से आरोपी ने दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपी के बेटे ने पीड़िता को लेकर अश्लील कमेंट भी किए। आरोपी पिता-पुत्र द्वारा मारपीट भी की गई, जिसके बाद अब पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई हैं। छोटी ग्वालटोली पुलिस के मुताबिक घटना भोपाल कंपाउंड स्थित आरोपियों के घर की हैं। मामले में 40 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर घनश्याम पाटीदार और उसके बेटे के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह आरोपियों के घर में साफ सफाई का काम करती हैं। आरोपी घनश्याम ने गत दिनों पीड़िता के साथ जबरन बलात्कार किया और आरोपी के बेटे पंकज ने गंदे गंदे कमेन्ट किया।इतना ही नहीं दोनों आरोपियों नें पीड़िता के साथ मारपीट कर उसे चोंट भी पहुंचाई।

लापरवाही: जीर्णोद्धार को लेकर अभी भी गंभीर नहीं अधिकारी

न.निगम के रिकॉर्ड में काम हो रहे कुएं और बावड़ियां

संवाददाता ● इंदौर

पुराने समय में शहर की प्यास बुझाने वाले कुएं-बावड़ियों की हालत बदतर होती जा रही है। एक ओवर निगम जहां की सफाई करने का ढिंढोरा पीट रहा है वहीं दूसरी ओर वास्तविकता इससे बहुत दूर कहीं जा सकती है। इसका एक उदाहरण यह भी देखने को मिलता है कि निगम के रिकॉर्ड में लगातार में बावड़ियों की संख्या कम हो रही है। कुछ वर्ष पूर्व जहां शहर में हुए बावरी की संख्या करीब 650 बताई गई थी वहीं अब इनकी संख्या 600 के करीब रह गई है। उधर, जिला प्रशासन के आंकड़े इससे कई गुना अधिक है।

रिकॉर्ड

जानकारी अनुसार कुएं-बावड़ियों के संधारण और जीर्णोद्धार का कार्य 2005 में शुरू किया गया। इसके पूर्व तो निगम द्वारा ही उन्हें बावरी में मलबा मिट्टी भरकर बंद किया जाता रहा है। कुछ वर्ष पूर्व निगम के सर्वे में जहां 650 के करीब हुए बावड़ी पाए गए थे वहीं अब उनकी संख्या 615 रह गई है। सर्वे भी पूरा हुआ। वहीं प्रशासन के बाद देखा जाए तो लगभग 5521 के आस-पास है जिसमें बावड़ी सिर्फ 40 और कुएं 518 के करीब है। निगम द्वारा अभी तक कोई ठोस उपाय नहीं किया गया है।

जानकारी अनुसार 2005-06 में नगर निगम ने इसके सुधार को लेकर एक अभियान उस दौरान चलाया था। जब तत्कालीन महापौर डॉ. उमाशशि शर्मा के दौरान लगभग 2 करोड़ से अधिक की राशि खर्च करके कई बावड़ियों को बेहतर किया गया जहां पानी भी आया था। इस तरह के कुएं बावड़ी का उपयोग बेहतर कर सकते हैं लेकिन इस तरह के कुएं बावड़ी को बाद में मलबा से भरकर बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी नहीं संभाली और कायाकल्प करने के स्थान पर आज भी कहा जा रहा है कि पुराने जल स्त्रोतों को बचाने का अभियान निगम द्वारा किया जा रहा है और अभी तक 100 कुएं बावड़ी बेहतर हो गया है जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है।

छत्रीबाग में संवारा एक कुआं

पुराने जल स्त्रोत में एकमात्र कुएं बावड़ी ही ऐसे हैं जो बेहतर हो सकते हैं और स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत हरिराव होलकर छत्री वाले कुएं को बेहतर किया रिकॉर्ड में गया है तो दूसरे कुएं बावड़ी को लेकर केवल चर्चाएं होती रही हैं। इधर आईडीए के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो अकेले उसके के पास ही तकरीबन 10 कुएं थे, उनमें से आधे से अधिक बंद कर दिए गए हैं और उन पर मलबा भर दिया है। इस तरह के काम तमाम हो रहे हैं लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।आज शहर भर में बार बार जलसंकट को लेकर स्थिति खराब होती जा रही है। नगर निगम द्वारा कोई बेहतर काम नहीं किया जा रहा है और कहा जा रहा है कि जल समस्या नहीं होने देंगे लेकिन वास्तव में परेशानी लगातार बढ़ती ही जा रही है। इधर, बोरिंग भी सूखते जा रहे हैं। इस मामले को लेकर निगम अधिकारियों से चर्चा की गई, लेकिन उनके द्वारा कोई ठोस उपाय नहीं बताया गया है और कोई जानकारी भी उनके पास नहीं है।

आदर्श श्रमिक गृह निर्माण संस्था के विरुद्ध कार्रवाई

65 प्लॉटों के पंजीयन विलेख निरस्त करने के लिए वाद दायर

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में भूमि संबंधी अनियमितताएं करने वालों के विरुद्ध कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में भूमि अनियमितताओं पर कलेक्टर सिंह के निर्देश पर आदर्श श्रमिक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इंदौर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। संस्था द्वारा शासन से प्राप्त विशेष छूट की शर्तों का उल्लंघन किए जाने पर कार्रवाई करते हुए जिला न्यायालय इंदौर में संस्था के कुल 65 भूखंडों के पंजीयन विलेख निरस्त करने हेतु 65 अलग-अलग वाद प्रस्तुत किए गए हैं। यह कार्रवाई इंदौर के कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशों के परिपालन में की गई है। उल्लेखनीय है कि संस्था के सदस्यों से बार-बार शिकायतें प्राप्त होने पर जिला प्रशासन ने मामले की जांच करवाई थी। जांच में यह तथ्य सामने आया कि संस्था ने नगर भूमि सीमा अधिनियम, 1976 की धारा 20(5) के अंतर्गत शासन से प्राप्त भूमि क्रय की अनुमति के आदेश में निर्धारित शर्तों का पालन नहीं किया। जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित भूखंडों पर दर्ज दस्तावेजों को निरस्त कराने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई। जल्द ही आगे की और भी कार्रवाई की जा रही है।

जनसुनवाई में 65 आवेदन हुए प्राप्त, दर्द से कहराती महिला से मिलने पहुंचे

पेंशन जारी नहीं होने पर स्थापना प्रभारी अधीक्षक निलंबित, वृद्धा से मिलने पहुंचे बाहर

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर नगर निगम में जनसुनवाई के दौरान नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा का गरीबों और परेशान लोगों के प्रति संवेदनशील रवैया मिसाल बनता जा रहा है। जन सुनवाई का उद्देश्य परेशान आम जनता की समस्याओं को हल करना है। निगमायुक्त शिवम वर्मा इस उद्देश्य को शत प्रतिशत पूरा करते दिखाई दे रहे हैं। समस्या को सुनकर तत्काल निराकरण करना, जहां शिवम वर्मा की पहचान बन गया है। वहीं काम में उनकी तेजी और व्यवहार में संवेदनशीलता से नगर निगम की छवि में भी सुधार होने लगा है।

दरअसल, कल जनसुनवाई के दौरान सुदामा नगर से वृद्ध महिला अपनी शिकायत लेकर जब आयुक्त कार्यालय के बाहर पहुंची, किंतु घुटनो में दर्द के कारण आयुक्त कार्यालय की सीढियां चढने में असमर्थ थी, इसकी जानकारी आयुक्त को मिलने पर आयुक्त वर्मा स्वयं आवेदनकर्ता वृद्ध महिला के पास कक्ष से बाहर आए और उसकी समस्या सुनी और समस्या के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। साथ ही आयुक्त कार्यालय की दोनो सीढ़ियों पर रैम्प नहीं होने पर तत्काल रैम्प बनाने के निर्देश दिये, इस पर झोन क्रमांक 03 द्वारा निर्देश के पश्चात ही रैम्प निर्माण का कार्य प्रारम्भ किया गया।

वहीं, पेंशन जारी नहीं होने की शिकायत लेकर जनसुनवाई के दौरान आयुक्त वर्मा के समक्ष विद्युत विभाग में कार्यरत रहे सेवानिवृत्त उमेश मंगेश पहुंचे। उन्होंने बताया कि दिनांक 28 फरवरी 2025 को मैं सेवानिवृत्त होने के उपरांत भी आज दिनांत तक पेंशन जारी नहीं की गई, जिससे मुझे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड रहा है, इस पर आयुक्त वर्मा द्वारा उक्त स्थिति के संबंध में विभाग स्तर से जानकारी प्राप्त किये जाने पर प्रथम दृष्टया विद्युत विभाग अंतर्गत कार्यरत स्थाई कर्मचारी नितिन देशमुख प्रभारी अधीक्षक द्वारा सेवानिवृत्त कम्र्चारी उमेश मंगेश का पेंशन संबंधी प्रकरण विलंबता से प्रस्तुत किए जाने संबंधी स्थिति प्रकाशन में आई, इस पर आयुक्त वर्मा द्वारा कार्य के प्रति लारवाही करने व सेवानिवृत्त कर्मचारियों से संबंधित प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई नहीं करने पर स्थाई कर्मचारी नितिन देशमुख प्रभारी अधीक्षक को तत्काल निलंबित किया जाकर, विभागीय जांच के निर्देश दिये गये। साथ ही आवेदनकर्ता उमेश मंगेश की पेंशन संबंधित कार्रवाई के शीघ्र निराकरण के संबंधित को निर्देश दिये गये।

कार्रवाई के दिए निर्देश

आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय स्थित कक्ष में जनसुनवाई की गई, जन सुनवाई के दौरान नागरिकों द्वारा राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य विभाग, रिमूव्हल विभाग, सीवरेज विभाग, जनकार्य विभाग सहित अन्य विभागो के 65 आवेदन आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किये गये, आयुक्त द्वारा नागरिकों को समक्ष में सुना गया तथा प्राप्त आवेदन को आयुक्त कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त व विभाग प्रमुख को तत्काल प्रेषित कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

जय महेश ... जयंती पर माहेश्वरी समाज ने निकाला चल समारोह

महेश जयंती पर माहेश्वरी समाज ने आज सुबह चल समारोह निकाला। मप्र वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में गौराकुंड स्थित जानकीनाथ मंदिर से आयोजन की शुरुआत हुई।

कलेक्टर ऑफिस में बड़ी संख्या में पहुंचे आशा कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक

4 महीने से बकाया वेतन तुरंत भुगतान की मांग, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता ● इंदौर

चार महीनों से बकाया वेतन के तुरंत भुगतान सहित अन्य मांगों को लेकर आशा उषा कार्यकर्ता और पर्यवेक्षकों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने के पूर्व आशा उषा कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर ऑफिस में प्रदर्शन भी किया। ज्ञापन सौंपते समय बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ता और पर्यवेक्षकों ने कहा कि समय-समय पर की गई बढ़ोतरी की घोषणाओं को तुरंत लागू करने की भी मांग की। आशा उषा एकता यूनियन मध्यप्रदेश सीटू की जिला और प्रदेश अध्यक्ष कविता सोलंकी और महासचिव पूजा कनोजिया ने बताया कि पूर्व की सरकार ने एक हजार रुपए प्रतिवर्ष बढ़ाने की घोषणा की थी, लेकिन वह आज तक लागू नहीं हो सकी। इसके साथ ही आशा उषा कार्यकर्ता और पर्यवेक्षकों को वर्तमान में चार महीने से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है, जिसे तुरंत भुगतान करवाया जाना चाहिए। लंबे समय से वेतन नहीं मिलने से हमें परिवार और अन्य खर्चे चलाने में भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कर्ज लेकर परिवार चला रहे हैं, लेकिन अब तो लोग कर्ज देने में भी कतरा रहे हैं। ज्ञापन सौंपते समय आशा उषा कार्यकर्ता दीपमाला, प्रीति पांचाल, रीना सोनी, माया गोफने, आशा वाकोडे, सुजाता जावले, गुलनाज खान, नीलू वर्मा, किरन तिवारी, अर्पणा राठौर, कला वर्मा सहित बड़ी संख्या में आशा उषा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञापन

हमारी अभिव्यक्ति आखिर कितनी आजाद हो?

जबां फिर से बदलने लग गई है। कि जैसे आसमां के रंग बदलते हैं। कि जैसे रेल, पटरियां बदलती है। कि जैसे गांव की लड़की सुबह जागे और जबरदस्ती ब्याह दी जाए। उसी तरह बदलने लग गई है लफ्जों की चमड़ी। ये लफ्ज कभी-कभी हाथों में तलवार लिए बैठे रहते हैं। किसी को यह सब देखना अच्छा लगता है। किसी को नहीं। अभिव्यक्ति की आजादी होनी चाहिए, लेकिन कितनी? किस हद तक? किस-किस विषय पर? किस-किस मुद्दे पर? दरअसल, इसकी कोई एक सीमा या परिभाषा गढ़ी नहीं जा सकती। जिस विषय, मुद्दे या व्यक्ति की जितनी सहनशक्ति हो सकती है, यह उतनी ही आजाद है या होनी चाहिए।

बोलने वाले अक्सर इस परिभाषा या सीमा का जब ध्यान नहीं रखते, जिसके खिलाफ बोला जाता है या हास्य किया जाता है, वह जब अपनी सहनशक्ति को विशाल नहीं रखता तो झगड़े होते हैं। सही है अभिव्यक्ति पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए, लेकिन किसी के निजी जीवन या उसकी निजता को आपकी भाषा किस हद तक प्रभावित कर रही है, यह सवाल हमेशा बना रहता है। क्योंकि अभिव्यक्ति कोई परिंदा नहीं है जिसके लिए कोई सीमा ही नहीं हो।

कोई सरहद उसे रोके ही नहीं! जहां तक नेताओं के खिलाफ हास्य या व्यंग्य की बात है, नेहरू जी, अटल जी और मनमोहन सिंह पर खूब हास्य बने, व्यंग्य भी लिखे गए लेकिन उन्होंने उन सब को घोर सकारात्मक रूप में लिया। अगर कुछ अच्छा लगा तो सुधार भी किए गए। लेकिन आज की राजनीति वैसी नहीं रही। जिस तरह राजनीति का स्तर नीचे आया है, नेताओं की सहनशक्ति भी कम हुई है। कहा यह भी जा सकता है कि कुछ लोग आजकल सस्ती

> कोई सरहद उसे रोके ही नहीं! जहां तक नेताओं के खिलाफ हास्य या व्यंग्य की बात है, नेहरू जी, अटल जी और मनमोहन सिंह पर खूब हास्य बने, व्यंग्य भी लिखे गए लेकिन उन्होंने उन सब को घोर सकारात्मक रूप में लिया। अगर कुछ अच्छा लगा तो सुधार भी किए गए। लेकिन आज की राजनीति वैसी नहीं रही। जिस तरह राजनीति का स्तर नीचे आया है, नेताओं की सहनशक्ति भी कम हुई है। कहा यह भी जा सकता है कि कुछ लोग आजकल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए भी राजनेताओं या बड़े लोगों पर बोलते रहते हैं। उस बात का प्रभाव या कुप्रभाव जानते हुए भी।

लोकप्रियता हासिल करने के लिए भी राजनेताओं या बड़े लोगों पर बोलते रहते हैं। उस बात का प्रभाव या कुप्रभाव जानते हुए भी।कुल मिलाकर ऐसे मामलों में दोनों पक्षों को सम्भलना होगा। क्योंकि धैर्य के साथ किसी बात पर विचार करने, उसे समझने या समझ-बूझकर बोलने का समय किसी के पास नहीं है। सबसे बड़ी विडम्बना है समय की कमी। धीरज की कमी। निश्चित ही एकनाथ शिंदे पर व्यंग्य गीत लिखने से पहले कुणाल कामरा उसका परिणाम जानते होंगे लेकिन फिर भी उन्होंने लिखा। अब इधर-उधर भागते फिर रहे हैं। व्यंग्य या हास्य एक ऐसी विधा है जो कितना ही कड़ा और पैना हो, लेकिन उसमें साहित्य की स्वस्थ परम्परा का ध्यान जरूर रखा जाता है। व्यवस्था पर व्यंग्य करना अलग बात है और किसी पर निजी रूप से व्यंग्य करना अलग। लेकिन जहां तक सत्ता या राजनीति का सवाल है, उसे ऐसा भी नहीं करना चाहिए कि सबके होंठ बंद हो जाएं। कि जैसे जेल के दरवाजे हों!

लोगों के हाल ऐसे भी नहीं होने चाहिए, जैसे दांतों के बीच जीभ के होते हैं। हमेशा बचकर। हटकर। कभी लहूलुहान होती हुई। कभी कटती-जलती हुई। वो जमाने बीत गए जब हवाएं हाकिमों की मुट्ठी में कैद रहती होंगी। अब सब आजाद हैं। कोई कुछ भी बोल सकता है सिवाय किसी पर निजी हमला करने के। चाहे वो हमला सीधा हो या जुबानी ही क्यों न हो! मयार्दा हर तरफ जरूरी है और इस मयार्दा का ध्यान हर किसी को रखना ही चाहिए। चाहे वो कोई नेता या राजनेता हो! या कोई हास्य कलाकार या व्यंग्यकार! अभिव्यक्ति पर पाबंदी नहीं होनी चाहिए, लेकिन किसी के निजी जीवन या उसकी निजता को आपकी भाषा किस हद तक प्रभावित कर रही है, यह सवाल हमेशा बना रहता है। अभिव्यक्ति कोई परिंदा नहीं है कि कोई सरहद उसे रोके ही नहीं!

संत वचन

एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा। फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के ...
लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा। इन सभी में संदर्भ को इस तरह से समझा जाना चाहिए

एआई एक अच्छा मौका है हम इसे गंवा नहीं सकते

पेरिस में हुई एआई एक्शन समिट में भाग लेने का मुझे भी मौका मिला था। वहां पर कई चर्चाओं में एआई को सामाजिक रूप से अधिक लाभकारी दिशा में ले जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। हमें यह पूछकर ही शुरूआत करनी चाहिए कि मानव समाज में क्या मूल्यवान है और क्या आगे बढ़ाने लायक है। जो चीज हम मनुष्यों को इतना खास बनाती है, वह है बड़ी और छोटी समस्याओं के समाधान तैयार करने, नई चीजों को आजमाने और इनोवेटिव प्रयासों में अर्थ खोजने की हमारी क्षमता। हमारे पास न केवल ज्ञान के निर्माण की क्षमता है, बल्कि हम उसे साझा करना भी जानते हैं। हालांकि मानव यात्रा हमेशा ही सहज नहीं रही है, हमारी क्षमताएं, मशीनें और ज्ञान हमें नुकसान भी पहुंचाते हैं, इसके बावजूद निरंतर पूछताछ और सूचनाओं का आदान-प्रदान हमारे लिए जरूरी है।

एडिट.नोट

विगत दो लाख से भी ज्यादा सालों से तकनीक हमारी कहानी के केंद्र में रही है। पत्थर के औजारों से लेकर आज तक, हमने अपनी तमाम चुनौतियों के समाधान खोजे हैं। मौखिक कहानी सुनाने और लेखन के आविष्कार से लेकर प्रिंटिंग प्रेस और इंटरनेट तक, हमने ज्ञान साझा करने के नए और बेहतर तरीके विकसित किए हैं। पिछले 200 सालों में हमने यह भी पता लगा लिया है कि बेहतर और ज्यादा स्वतंत्र रूप से प्रयोग कैसे करें। वैज्ञानिक प्रक्रिया ने हमें स्थापित तथ्य दिए हैं, जिससे प्रत्येक पीढ़ी अपने पूर्ववर्तियों की प्रगति पर और ऊंची इमारत का निर्माण कर सकी है। इसने पिछली दो शताब्दियों में अधिकांश देशों में शानदार विकास को भी आधार बनाया। जहां आर्थिक विकास ने देशों के बीच और उनके भीतर भारी विषमता पैदा की है, वहीं लगभग हर जगह लोग आज 18वीं सदी की तुलना में ज्यादा स्वस्थ और समृद्ध हैं। एआई मानव कौशल, प्रतिभा और ज्ञान को पूरक बनाकर हमारे निर्णय लेने, प्रयोग करने और उपयोगी ज्ञान के अनुप्रयोगों में सुधार करके इसे मजबूत कर सकता है।

कुछ लोग सवाल कर सकते हैं कि क्या हमें इस उद्देश्य के लिए एआई की आवश्यकता है। आखिरकार, हम पहले से ही सूचना की प्रचुरता के युग में रह रहे हैं। हर वह चीज जो कोई चाहता है- और बहुत कुछ ऐसा भी जो कोई नहीं चाहता- आज इंटरनेट के माध्यम से सुलभ है। लेकिन उपयोगी जानकारी आज भी दुर्लभ है। किसी विशेष संदर्भ में, विशेष समय पर, एक खास समस्या हल करने के लिए आपको जो चाहिए, वो अगर आपको मिल जाए तो मेरी ओर से आपको मुबारकबाद। यह प्रासंगिक व्यावहारिक ज्ञान ही है- न कि केवल जानकारी- जो कि कारखाने के श्रमिकों को अधिक उत्पादक बनाती है; इलेक्ट्रीशियन को नए उपकरणों को संभालने और अधिक परिष्कृत कार्य करने में सक्षम बनाती है; नर्सों को स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली भूमिका निभाने में मदद करती है; और सभी कौशल और पृष्ठभूमि के श्रमिकों को नई और अधिक उत्पादक भूमिकाएं निभाने की सुविधा देती है। एआई को अगर ठीक से विकसित और उपयोग किया जाए, तो वह वास्तव में हमें बेहतर बना सकता है। वह अधिक समझ के साथ सोचने और कार्य करने की हमारी क्षमता का भी विस्तार कर सकता है। लेकिन वह हमारे सामने एक गंभीर खतरा भी पैदा करता है। संकट केवल यही नहीं है कि सुपर-इंटेलिजेंट मशीनें किसी दिन हम पर राज करने लगेंगी; बल्कि यह है कि एआई हमारी सीखने, प्रयोग करने, ज्ञान को साझा करने की क्षमता को कमजोर कर देगा। अगर यह लगातार कार्यों और नौकरियों को खत्म करता है; सूचना को अत्यधिक केंद्रीकृत करता है; परीक्षण करने व सीखने की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करता है।

शेखर गुप्ता - लेखक

वो 19 महीने जिन्होंने हमारे वर्तमान को गढ़ा

देश में 19 महीनों के दो उथलपुथल भरे कालखंड ऐसे रहे हैं, जिन्होंने तीन पीढ़ियों के हमारे अतीत को परिभाषित किया, हमारे वर्तमान को आकार दिया, और वे हमारे भविष्य को भी अपने परस्पर विरोधी तरीकों से प्रभावित करते रहेंगे। इनमें से एक कालखंड 25 जून 1975 से 18 जनवरी 1977 का इमरजेंसी का दौर था।

अनुमान लगाएं कि दूसरा कालखंड कौन-सा होगा। इसके लिए हमारे प्रधानमंत्रियों के कार्यकालों पर नजर डालिए- नहीं, नेहरू, इंदिरा, वाजपेयी, मोदी, वीपी सिंह, देवेगौड़ा, गुजराल, चरण सिंह में से किसी के दौर पर नहीं। मैं सुझाव दूंगा कि आईएएस से लेखक बने संजीव चोपड़ा ने लाल बहादुर शास्त्री की जो जीवनी लिखी है उसे पढ़ डालिए। ह्यद ग्रेट कंसीलिएटर : लाल बहादुर शास्त्री एंड द ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ इंडियाह्न नाम की यह जीवनी हाल में ही प्रकाशित हुई है।

नेहरू की मृत्यु के बाद 9 जून 1964 से 11 जनवरी 1966 तक ताशकंद में अपनी दुःखद मृत्यु तक शास्त्री 19 महीने प्रधानमंत्री रहे। आप सवाल कर सकते हैं कि मैं इन 19 महीनों को भारत के राजनीतिक विकास के लिए इमरजेंसी के 19 महीनों जैसा ही मगर उलटे रूप में निर्णायक क्यों मानता हूं?

इसके लिए याद कीजिए, जब भारत को एक युद्ध (सितंबर 1965) लड़ना पड़ा था, स्थानीय स्तर पर टैंकों से टक्कर (कच्छ, अप्रैल-जुलाई 1965) लेनी पड़ी, खाद्य संकट झेलना पड़ा, कठिन राजनीतिक परिवर्तन से गुजरना पड़ा, और हमारे इतिहास के इतने छोटे किसी और दौर में इतने ज्यादा संस्थानों का निर्माण कभी नहीं हुआ, जितना इन 19 महीनों में हुआ। शास्त्री के कार्यकाल की सबसे प्रमुख बात बेशक 22 दिनों का युद्ध था, जिसे उन्होंने भारी प्रतिकूलताओं के बीच लड़ा और जिसमें सैद्धांतिक जीत हासिल की, हालांकि सैन्य इतिहास लिखने वाले इसे अक्सर गतिरोध कहते हैं। लेकिन हर मोर्चे पर बेहतर हथियारों और तीन गुना ज्यादा हौसले से लैस ज्यादा ताकतवर दुश्मन से लड़कर गतिरोध हासिल करना जीत से कम नहीं होता।

शास्त्री की विरासत पर ताशकंद में हुए शांति समझौते, और उनकी उस त्रासद यात्रा का साया अनुचित रूप से हावी हो जाता है। उन्होंने जो युद्ध लड़ा वही उनका सच्चा योगदान है। फील्ड मार्शल अय्यूब खान और उनके छुटभैये जुल्फिकार अली भुट्टो को 1962 की लड़ाई में शिकस्त से हताश और उथल-पुथल से गुजर रही भारतीय सेना काफी कमजोर नजर आई।

1963 में श्रीनगर में हुए हजरतबल कांड से भी उनका हौसला बढ़ा। नेहरू के बाद शास्त्री को सत्ता सौंपे जाने के बीच के दौर को उन्होंने राजनीतिक अस्थिरता का दौर मान लिया, और भारत की सैन्य तैयारी तथा हौसले का जायजा लेने के लिए उन्होंने कच्छ के रण में हमले किए। चोपड़ा ने दस्तावेजों के हवाले से लिखा है कि पाकिस्तान ने कच्छ के रण में पैटन टैंकों का इस्तेमाल करके अपने अमेरिकी आकाओं को टटोला। उन दोनों के बीच समझौता हुआ था कि इन टैंकों का भारत के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। लेकिन अमेरिका ने जब महज कुछ उपदेश झाड़ने के सिवा कुछ नहीं किया तो पाकिस्तान को लगा कि वह कश्मीर में बड़ी चाल चल सकता है।

नतीजतन, दो महीने बाद ही ह्यऑपरेशन जिब्राल्टरह्न हुआ और 10,000 से ज्यादा हथियारबंद घुसपैठिए कश्मीर में भेज दिए गए। योजना यह थी कि ये गिरोह भारतीय सेना को घाटी में जब ध्वस्त कर देंगे तब ह्यऑपरेशन ग्रैंड स्लैमह्न के तहत निर्णायक हमले के लिए जम्मू के अखनूर सेक्टर में टैंकों से धावा बोला जाएगा। लेकिन उन्होंने मुकाबले में खड़े नेता के हौसले का अंदाजा लगाने में भूल कर दी। प्रायः फौजी जनरल, खासकर पाकिस्तानी जनरल आम जनता को तुच्छ मानते हैं। शास्त्री की कद-काठी और उनकी शालीनता के कारण उनका मुगालता और मजबूत ही हुआ। लेकिन पांच फीट दो इंच वाली उस काया में अविश्वसनीय रूप से मजबूत संकल्प वाला देशभक्त मौजूद था। शास्त्री ने 3 सितंबर को मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई और पाकिस्तान को जवाब देने की व्यापक योजना बना ली गई। तय किया कि पाकिस्तान की आक्रमण शक्ति को ध्वस्त किया जाए और सिर्फ जरूरी इलाके पर कब्जा किया जाए, जिसे युद्ध जीतने के बाद लौटा दिया जाए।

बिजनेस

मकानों की बेतहाशा बढ़ती कीमतों के बीच इस साल घट गई बिक्री

नई दिल्ली। बीते कुछ साल में मकानों की कीमत आसमान को छूने को बेताब है। इधर, जियो-पोलिटिकल टेंशन और शेयर बाजार में गिरावट के बीच निवेशकों का सेंटिमेंट बिगड़ गया है। तभी तो इस साल की पहली तिमाही के दौरान हाउसिंग रियल एस्टेट का बाजार सुस्त हो गया है। तभी तो इस दौरान मकानों की बिक्री में 28 फीसदी की गिरावट आई है।रियल एस्टेट कंसल्टेंट एनारॉक (अल्लं१ङ्क) का कहना है कि आवासीय संपत्तियों की आसमान छूती कीमतों और भू-राजनीतिक तनावों के कारण द1, 2025 में भारतीय आवास बाजार की तेजी धीमी हो गई है। उसकी वजह से घरों की बिक्री में कमी आ रही है। इसकी एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी से मार्च के दौरान करीब 93,280 यूनिट्स की बिक्री हुई है। पिछले साल इसी समय में 1,30,170 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। इस हिसाब से इस साल 28% की गिरावट दिख रही है।

दिल्ली-ठउफ में बिक्री 20% तक घटी है। यहां इस साल पहली तिमाही के दौरान करीब 12,520 यूनिट्स की बिक्री हुई है। जबकि पिछले साल इसी दौरान 15,650 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। मुंबई महानगर क्षेत्र (टटफ) में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 26% तक गिरी है। वहां इस साल करीब 31,610 यूनिट्स की बिक्री हुई है, जबकि पिछले साल 42,920 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।इस अविध के दौरान बेंगलुरु में मकानों की बिक्री 16% तक गिरी है। वहां इस साल की करीब 15,000 यूनिट्स की बिक्री होने की संभावना है, जबकि पिछले साल 17,790 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। पुणे में बिक्री 30% तक गिर सकती है। यहां 16,100 यूनिट्स की बिक्री होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल 22,990 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। हैदराबाद में घरों की बिक्री 49% तक गिर सकती है। यहां 10,100 यूनिट्स की बिक्री होने की संभावना है, जबकि पिछले साल 19,660 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। चेन्नई में बिक्री 26% तक गिर सकती है। यहां 4,050 यूनिट्स की बिक्री होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल 5,510 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। कोलकाता में आवासीय संपत्तियों की बिक्री इस साल जनवरी-मार्च में 31% तक कम हो सकती है। यहां 3,900 यूनिट्स की बिक्री होने का अनुमान है, जबकि पिछले साल इसी समय में 5,650 यूनिट्स की बिक्री हुई थी।

एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी का कहना है कि भारत का समग्र आर्थिक परिदृश्य इस समय सकारात्मक बना हुआ है। ऋ्रऊढ विकास दर वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक रहने और मुद्रास्फीति भी नियंत्रण में रहने का अनुमान है। लेकिन, तब भी मकानों की बिक्री में गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा ÷हालांकि, मकानों की बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनावों जैसे चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और एक कमजोर वैश्विक अर्थव्यवस्था ने भारत के आवासीय बाजार की गतिविधि पर असर डाला है। इन कारकों का असर द1 2025 में आवास बाजार पर पड़ा है।

राज-काज

कभी एलन मस्क ने उड़ाया था इस गाड़ी का मजाक

नई दिल्ली। चीन की ऑटो कंपनी बीवाईडी ने दुनिया के ऑटो मार्केट में तहलका मचा रखा है। शेनजेन की इस कंपनी ने पिछले साल बिक्री के मामले में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला को पीछे छोड़ दिया। पिछले हफ्ते कंपनी ने ऐसी बैटरी लॉन्च की जो पांच मिनट चार्ज करने पर 250 मील की रेंज दे सकती है। इसी तरह पिछले महीने उसने एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम ऋ्रङ्कहिर२ एटी लॉन्च किया जो टेस्ला के फुल सेल्फ-ड्राइविंग फीचर के मुकाबले काफी सस्ता है। यानी यह कंपनी हर मोर्चे पर टेस्ला को टक्कर दे रही है। एक दौर ऐसा भी था जब मस्क इस चीनी कंपनी को कोई भाव देने को तैयार नहीं थे और आज यह सेल्स, इनोवेशन और कीमत के मामले में टेस्ला पर भारी पड़ती दिख रही है। बीवाईडी के उभार से दुनियाभर की कंपनियों की नींद उड़ी हुई है।

70 लाख से 4 लाख... क्रिप्टो के क्रेज में आंख मूंदकर लगाया पैसा

नई दिल्ली। पिछले कुछ सालों में भारत में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश काफी बढ़ा है। हालांकि, इसमें कई कानूनी अड़चनें और टैक्स भी ज्यादा हैं। चेनएनालिसिस के ग्लोबल क्रिप्टो एडॉप्शन इंडेक्स के अनुसार, भारत लगातार दूसरे साल क्रिप्टोकरेंसी अपनाने के मामले में दुनिया के टॉप देशों में शामिल है। युवाओं की वजह से यह ट्रेंड बढ़ रहा है। सीए नितिन कौशिक ने क्रिप्टो में आंख मूंदकर पैसा लगाने को लेकर चेतावनी दी है। इसके लिए उन्होंने एक निवेशक की आपबीती शेयर की है। उसने क्रिप्टो में भारी नुकसान उठाया।सीए नितिन कौशिक ने बताया कि कुछ निवेशक बिना सोचे-समझे अनियंत्रित क्रिप्टो (अनरेगुलेटेड क्रिप्टो) में निवेश कर नुकसान उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप नुकसान उठाने के लिए तैयार नहीं हैं तो आपको निवेश नहीं करना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक चौंकाने वाली कहानी शेयर की। उन्होंने बताया कि एक स्टार्टअप के मालिक जिनकी महीने की इनकम 5 लाख रुपये है, उन्होंने पिछले साल 70 लाख रुपये अनरेगुलेटेड क्रिप्टो प्रोजेक्ट्स में निवेश किए। अब उनके पूरे पोर्टफोलियो की कीमत सिर्फ 4 लाख रुपये है। नितिन कौशिक ने कहा, 'अगर आप नुकसान उठाने के लिए तैयार नहीं हैं तो आपको निवेश नहीं करना चाहिए।'2025 में क्रिप्टोकरेंसी में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है, लेकिन इसमें संभावनाएं भी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्रिप्टो के समर्थन में आने से डिजिटल एसेट्स और क्रिप्टो से जुड़े स्टॉक्स में तेजी आई है। कुछ रुकावटों के बावजूद बाजार में माहौल सकारात्मक बना हुआ है।वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम इस सर्वे में भारत, अमेरिका, चीन और ब्रिटेन जैसे 14 देशों के 13,000 से ज्यादा लोगों से जानकारी ली गई। रिपोर्ट के अनुसार, 44 साल से कम उम्र के आधे से ज्यादा निवेशक अपने पोर्टफोलियो का कम से कम एक तिहाई हिस्सा क्रिप्टोकरेंसी में लगा रहे हैं। इससे पता चलता है कि क्रिप्टोकरेंसी को अब एक मुख्यधारा की संपत्ति के रूप में पहचाना जा रहा है।भारत में क्रिप्टो निवेश को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक अफेयर्स (ऊएअ) के सचिव अजय सेठ ने कहा है कि सरकार स्टेबलकॉइन्स और क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स पर बदलते वैश्विक नियमों को देखते हुए अपने क्रिप्टोकरेंसी फ्रेमवर्क की समीक्षा करेगी।कॉइनबेस ग्लोबल इंक. ने हाल ही में भारत की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट के साथ रजिस्ट्रेशन कराया है। इससे वह भारत में कानूनी रूप से ट्रेडिंग सेवाएं दे पाएगी।

सरकार अगले 6 महीने में रुपए 8 लाख करोड़ कर्ज लेगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में बाजार से 8 लाख करोड़ का कर्ज लेगी। ये पूरे साल के लोन टारगेट (14.82 लाख करोड़ रुपए) का 54% है। सरकार ने ये कर्ज लेने का फैसला ऋ26 में ऋऊढ के 4.4% फिस्कल डेफिसिट (वित्तीय घाटे) के टारगेट को पूरा करने के लिए लिया है। इससे सरकार को खर्च और आय का अंतर को कम करने में मदद मिलेगी। 10,000 करोड़ के ग्रीन बॉन्ड जारी करेगी सरकार बाजार से पैसे जुटाने के लिए सरकार 10,000 करोड़ के ग्रीन बॉन्ड जारी करेगी। इसके साथ ही ऋ26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में हर हफ्ते 19,000 करोड़ के ट्रेजरी बिल जारी किए जाएंगे। इन बॉन्ड्स के जरिए बाजार से पैसे जुटाएगी सरकार सरकार 3, 5, 7, 10, 15, 30, 40 और 50 साल की मिच्योरिटी वाले गवर्नमेंट सिक्योरिटीज बॉन्ड जारी करेगी। कुल उधारी में 26% से ज्यादा रकम 10-वर्षीय बॉन्ड्स के जरिए जुटाई जाएगी। पुराने बॉन्ड्स की रिडेंप्शन टेंशन कम करने के लिए स्विचिंग ऑपरेशन और सिक्योरिटी बायबैक किए जाएंगे।25 मार्च को लोकसभा से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने फाइनेंस बिल पेश किया था। लोकसभा में उन्होंने कहा वित्त वर्ष 2026 में राजकोषीय घाटा 4.4% रहने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय बजट 2025-26 में कुल 50.65 लाख करोड़ रुपए का एक्सपेंडिचर प्रस्तावित है, जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में 7.4% अधिक है। अगले वित्त वर्ष के लिए प्रस्तावित कैपिटल एक्सपेंडिचर 11.22 लाख करोड़ रुपए है और इफेक्टिव कैपिटल एक्सपेंडिचर 15.48 लाख करोड़ रुपए है। इसमें 42.70 लाख करोड़ रुपए का ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू कलेक्शन और 14.01 लाख करोड़ रुपए का सकल उधार प्रस्तावित है।लोकसभा से फाइनेंस बिल 25 मार्च को 35 संशोधनों के साथ पास हो गया। इसमें ऑनलाइन एडवर्टाइजमेंट पर 6% डिजिटल टैक्स को खत्म करने जैसे संशोधन शामिल हैं।अब ये बिल राज्य सभा में जाएगा।

> **ये कुल सालाना कर्ज का 54%; सरकारी आय और खर्च का अंतर कम होगा**

उत्तराखंड के चमोल जिले के माणा गांव के पास एक शिविर में हुए हिमस्खलन के बाद बचाव कार्य के दौरान भारतीय सेना के जवान।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 05 जून, 2025
www.adityabharat.com

पीएम मोदी के नेतृत्व में "विरासत भी और विकास भी" की दिशा में निरंतर बढ़ता मध्यप्रदेश

जननायकों के कार्य से अवगत कराएंगे समाज को : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश 'विरासत भी और विकास'भी की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रदेश को गौरवान्वित करने वाले जननायक की कर्मभूमि में कैबिनेट बैठकें और प्रमुख कार्यक्रम आयोजित कर विकास के संकल्प को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। गोंडवाना की रानी दुर्गावती, मालवा में महाराजा विक्रमादित्य, निमाड़ की रानी लोकमाता अहिल्याबाई और अब जननायक राजा भभूत सिंह जी के द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों और स्वर्णिम पक्षों को समाज के समक्ष जीवंत किया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पचमढ़ी में होटल अमलतास में आयोजित पर्यटन विकास निगम के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 33 करोड़ से अधिक के पर्यटन विकास के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि पचमढ़ी उद्यान अब राजा भभूत सिंह उद्यान के नाम से जाना जाएगा। इसी प्रकार पचमढ़ी शासकीय महाविद्यालय का नाम भी राजा भभूत सिंह महाविद्यालय होगा। उन्होंने पचमढ़ी में जनजातीय संग्रहालय बनाने और कोरकू समाज के पवित्र स्थल पर प्रतीक्षालय और टीनशेड बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नर्मदापुरम में लॉजिस्टिक पार्क बनाने का निर्णय लिया गया हैं। ये पार्क क्षेत्र में विकास की नई सौगात लेकर आएगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि पचमढ़ी अपने अप्रतिम नैसर्गिक सौंदर्य के लिए पूरे देश और दुनिया में जाना जाता है। यह अंचल अपने प्राकृतिक सौंदर्य के साथ कई ऐतिहासिक तथ्यों को भी अपने में समाहित किए हुए हैं। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पचमढ़ी के विकास में आ रही बाधाओं को दूर कर इसे सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने पचमढ़ी के विकास के द्वार खोले हैं।

कार्यक्रम

अंग्रेजों से लगातार किया संघर्ष

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि शौर्य और बलिदान के प्रतीक जननायक राजा भभूत सिंह जी की स्मृति में मध्यप्रदेश सरकार ने पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक करने का निर्णय लिया जिसके माध्यम से उनके शौर्य और पराक्रम को समाज के सामने लाया जा रहा है। राजा भभूत सिंह महान व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने बिना भयभीत हुए पूरे पराक्रम से अंग्रेजों के साथ संघर्ष किया और देशभक्ति की उत्कृष्ट मिसाल पेश की। राजा भभूत सिंह हमारी स्मृति और संस्कृति में सदैव अमर रहेंगे।

सीएम ने दी पर्यटकों को जंगल सफारी के लिए ट्रेक्स क्रूज़र वाहनों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जंगल सफारी सुविधा के लिए 11 ट्रेक्स क्रूज़र वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मप्र पर्यटन विभाग ने वाइल्ड लाइफ प्रेमियों और पर्यटकों को एक नई सौगात दी है। प्रथम चरण में कुल 11 ट्रेक्स क्रूज़र वाहन क्रय किए गए हैं। 9 सीटर के ये ट्रेक्स क्रूज़र वाहन काफी सुविधाजनक है। यह सभी वाहन पर्यटन निगम की विभिन्न इकाइयों में उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे जंगल सफारी के अनुभव को और भी रोमांचक और आरामदायक बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने 21.39 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इन कार्यों में हांडीखो में 1.98 करोड़ रुपये की लागत से पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा के विकास संरचना, सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में 2.13 करोड़ रुपये की लागत से बुनियादी सुविधाओं का विकास, पॉलिथिन मुक्त पचमढ़ी के लिए 34 लाख रुपये की लागत से आरओ जल प्रदाय प्लांट की स्थापना, हिलटॉप बंगले को 6.70 करोड़ रुपये की लागत से होम स्टे में बदलने का कार्य 9.90 करोड़ रुपये की लागत से कम्युनिटी सेंटर का विकास, तथा ग्लेन व्यू में 34 लाख रुपये की लागत से केंद्रीय नर्सरी की स्थापना शामिल हैं।

33.88 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 12.49 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किए गए पर्यटन विभाग के 5 कार्यों का लोकार्पण किया। जिनमें जटाशंकर एवं पांडव केव्स पर 19 लाख रुपये की लागत से निर्मित पिंक टॉयलेट लाउंज, जयस्तंभ क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये की लागत से मार्गों के दोनों ओर विकसित पाथवे, धूपगढ़ में 60 लाख रुपये की लागत से जलगली से जलप्रदाय पाइपलाइन और पंप हाउस, पचमढ़ी प्रवेश द्वार का 35 लाख रुपये का सौंदर्यीकरण, तथा सतपुड़ा रिट्रीट में 1.35 करोड़ रुपये की लागत से किए गए किचन, रेस्टोरेंट नवीनीकरण और स्विमिंग पूल निर्माण शामिल हैं।

शॉट न्यूज

रिश्वत मांग रही थी लोकायुक्त की जाल में फंसी महिला अधिकारी

धार। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले की लोकायुक्त टीम ने धार जिले में बड़ी कार्रवाई की है। महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर पुष्पा बैनल को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ दबोचा है। पुष्पा बैनल पर्यवेक्षक के पद पर तैनात है। उनके पास महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी है। दरअसल, धार के भमोरी की सुनीता बघेल राधाकृष्ण स्वसहायता समूह की अध्यक्ष हैं। सुनीता ने इंदौर लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि मैं 6 साल से राधाकृष्ण स्व सहायता समूह का संचालन कर रही हूं। समूह के द्वारा आंगनबाड़ियों को मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इसके एवज में उन्हें 9000 रुपए मिलते हैं। यह रुपए महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा समूह के खाते में भेजा जाता है।

वर्चस्व की लड़ाई में दनादन चली गोलियां, एक की मौत

ग्वालियर। शहर में देर रात दो बदमाशों के गुटों में गैंगवार हो गया। दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई और दनादन गोलियां चलीं। इस गोलीबारी में भोला सिकरवार नाम के युवक की मौत हो गई। उसका एक साथी पवन उर्फ कल्लू श्रीवास गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए टीम बनाई है। दरअसल, शहर के हजीरा थाना क्षेत्र के बिरला नगर लाइन नंबर-2 के रहने वाले भोला सिकरवार और कल्लू उर्फ पवन श्रीवास रात अपने घर के पास लाइन नंबर 1 में किराने की दुकान के पर खड़े थे। तभी वहां एक्टिवा सवार बंटी भदौरिया अपने अन्य 5 साथियों के साथ पहुंचा और उनके साथ गाली गलौज करने लगा। जब भोला और पवन ने इसका विरोध किया तो बंटी और उसके साथियों ने मारपीट शुरु कर दी।

उज्जैन में कुर्बान बना रोहित, फिर हिंदू लड़की को ऐसे फंसाया

उज्जैन। महाकाल थाना क्षेत्र में लव जिहाद से जुड़ा एक मामला सामने आया है जिसमें एक युवक ने अपनी पहचान छिपाकर हिंदू युवती से दोस्ती की और उसके बाद उसे अपने प्रेम जाल में फंसाकर परिवार के लोगों से दूर कर दिया। इस दौरान युवक-युवती को लगातार शादी के नाम का झांसा दे रहा था। युवक ने युवती का कई बार शारीरिक शोषण भी किया। मामले में महाकाल थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर युवक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए हिंदू जागरण मंच की प्रांत कार्यकारिणी सदस्य नीलू चौहान ने बताया कि महाकाल मंदिर क्षेत्र में फूल बेचने वाली हिंदू युवती से 2016 में रोहित बनकर एक युवक ने दोस्ती की। युवती को शादी के लिए प्रपोज किया।

भोपाल में कोरोना ने दी दस्तक सामने आया 2025 का पहला केस

संवाददाता ● भोपाल

देशभर में कोरोना महामारी एक बार फिर से डरा रही है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी कोविड 19 का एक मामला सामने आया है। यहां एक 42 वर्षीय महिला इससे संक्रमित पाई गईं। महिला को मंगलवार शाम आरटीपीसीआर जांच में पॉजिटिव पाया गया और वर्तमान में वह निजी अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में इलाजरत है। वह पिछले कुछ दिनों से सर्दी और गले में खराश की शिकायत से परेशान थी और इलाज के लिए ओपीडी में आई थी। बता दें कि इंदौर और ग्वालियर में कोरोना के केस सामने आ चुके हैं। इंदौर में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के दो और मामले सामने आने के बाद उपचाराधीन मरीजों की तादाद बढ़कर 12 हो गई। जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ। अंशुल मिश्रा ने बताया कि ताजा मामलों में दो पुरुषों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है और दोनों संक्रमितों में महामारी के गंभीर लक्षण नहीं हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से एक 21 वर्षीय युवक इंदौर के पड़ोसी शहर देवास का रहने वाला है और वह 27 मई को दिल्ली से देवास लौटा था। मिश्रा ने बताया, 'युवक की बहन ने भी उसके साथ दिल्ली की यात्रा की थी। वह पहले ही कोरोना वायरस से संक्रमित पाई जा चुकी है।' वहीं बीते दिन ग्वालियर में भी पहला केस सामने आया। शहर के पॉश इलाके मे रहने वाले एक व्यक्ति को कोविड पॉजिटिव पाया गया है। इसकी पुष्टि होते ही प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, हरिशंकरपुरम श्रीराम कॉलोनी निवासी एक शख्स कुछ दिनों से बीमाऱ थे। उन्हें लग रहा था कि वे वायरल की चपेट मे हैं। लेकिन इलाज के बाद भी जब उन्हें आराम नहीं मिला तो उन्होंने कोविड का टेस्ट कराया। ज़ब उसकी रिपोर्ट आई तो वह पॉजिटिव निकली। इसकी सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम उनके घर पहुंची और आइसोलेट किया।

मामला

'हम तो चोर लोग हैं', पूर्व विधायक ने कह दी ऐसी बात हंसी नहीं रोक पाए लोग...

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के बड़नगर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई ने एक प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान कुछ ऐसा बयान दिया कि वहां बैठे लोगों के होश उड़ गए। वह यह नहीं समझ पाए कि आखिर नेताजी क्या बोल रहे हैं। बाद में हंसी-मजाक के साथ इस मामले को संभालने की कोशिश की गई।

बता दें कि बड़नगर तहसील के ग्राम ब्राह्मण बरोदा में शीतला माता मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा और पांच दिवसीय यज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर एक कार्यक्रम किया गया था। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई के साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अंतर सिंह देवड़ा, जिला पंचायत सदस्य रामप्रसाद पंड्या, पूर्व जिला अध्यक्ष बहादुर सिंह बोरमुंडला सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई ने कहा कि यह भले ही छोटा सा गांव है, लेकिन यहां धर्म के प्रति आस्था है। जो हम लोग हैं, वह सब चोर लोग हैं। आज भी लोग हमेशा हमारी सेवा में तत्पर रहते हैं, लेकिन जो लोग जनप्रतिनिधि बनते हैं, उन्हें अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए। बताया जाता है कि पूर्व विधायक शांतिलाल धबाई के द्वारा दिए गए इस बयान का वीडियो बड़नगर विधानसभा क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे उज्जैन जिले में जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद इसके अलग-अलग मतलब निकाले जा रहे हैं। कुछ तो यह भी पता लगाने में जुटे हुए हैं कि आखिर पूर्व विधायक द्वारा सबको चोर कहे जाने के पीछे उनकी क्या मंशा है।

ट्रैकिंग में देखें संग्रहालय की रॉक पेंटिंग, शाम को 'नृत्य नाटिका भी

विश्व पर्यावरण दिवस पर मानव संग्रहालय में होंगे कई कार्यक्रम

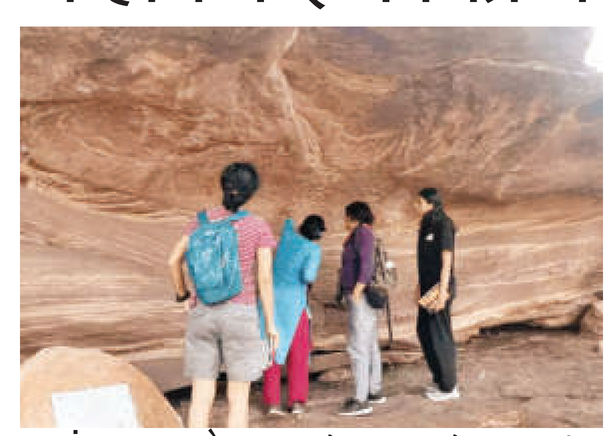

संवाददाता ● भोपाल

5 जून को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। भोपालवासियों के लिए यह एक सुनहरा मौका है सुबह की ट्रेकिंग से लेकर शाम की नृत्य नाटिका तक, पूरे दिन विविध आयोजन होंगे और सभी कार्यक्रमों में आमजन की भागीदारी आमंत्रित है। सुबह 6 : 30 बजे से पर्यावरण और सांस्कृतिक धरोहर पर आधारित ट्रेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसका सहयोग यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया कर रहा है। यह ट्रेकिंग मानव संग्रहालय के प्राकृतिक मार्गों से होते हुए प्रतिभागियों को प्रकृति के निकट लाने और संरक्षण की आवश्यकता का अनुभव कराएगी। इसके लिए किसी प्रकार के कोई भी पंजीयन की आवश्यकता नहीं है।

कार्यक्रम

प्रकृति पूजन के माध्यम से सांस्कृतिक जुड़ाव – कार्यक्रम में आगे 11:30 बजे तमिलनाडु के अय्यानार देवस्थानम परिसर स्थित पुनीत वन में पुनीत वन महोत्सव के तहत पारंपरिक प्रकृति पूजन का आयोजन होगा। यह आयोजन भारतीय संस्कृति में प्रकृति की आराधना की परंपरा को पुनः उजागर करेगा। मानव संग्रहालय में 3:00 बजे से नगर निगम भोपाल के सहयोग से विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा, जिसमें संग्रहालय के कर्मचारी, स्वयंसेवक, पर्यावरण प्रेमी और आमजन भाग ले सकते हैं। यह अभियान नागरिकों में स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना जागृत करेगा।

'गंगावतरण' की नृत्य प्रस्तुति बनेगी मुख्य आकर्षण – सायं 6:30 बजे रंग श्री लिटिल बैले ट्रूप द्वारा प्रसिद्ध पौराणिक कथा 'गंगावतरण' पर आधारित एक भव्य नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। यह प्रस्तुति न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध होगी, बल्कि दर्शकों को गंगा नदी के पर्यावरणीय महत्व से भी अवगत कराएगी। आयोजन संग्रहालय के मुक्ताकाशी रंगमंच पर होगा और इसमें सभी आयु वर्ग के दर्शक भाग ले सकते हैं।

ग्वालियर-चंबल में 60Km/घंटा रहेगी आंधी की रफ्तार

भोपाल -जबलपुर में बारिश का अलर्ट, पूरे एमपी में ऐसा ही मौसम रहेगा

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के 15 से अधिक जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। ऐसा ही मौसम बुधवार को भी बना रहेगा। ग्वालियर-नर्मदापुरम समेत 17 जिलों में 60Km प्रतिघंटा या इससे अधिक रफ्तार से आंधी चलने का अलर्ट है। वहीं, पूरे प्रदेश में कहीं बादल छाए रहेंगे तो कहीं तेज आंधी-बारिश होगी। बता दें कि इस बार भीषण गर्मी में भी आंधी-बारिश वाला मौसम है। प्रदेश में 26 अप्रैल से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो गया था, जो 3 जून को भी जारी रहा। यानी, लगातार 39 दिन से प्रदेश के किसी न किसी जिले में पानी गिर रहा है या आंधी चल रही है। मौसम विभाग ने अगले 4 दिन यानी 7 जून तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान जताया है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि प्रदेश में आंधी-बारिश के सिस्टम एक्टिव हैं। इस वजह से मौसम बदला हुआ है।

अलर्ट

आज इन जिलों में बदला रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, आगर-मालवा, शाजापुर, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा में तेज आंधी चलने का अलर्ट है। आंधी की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है।

इसी तरह भोपाल, उज्जैन, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, मंडला, बालाघाट, सिवनी, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, देवास, धार, झाबुआ, रतलाम, मंदसौर गुना, राजगढ़, सतना, मैहर, मऊगंज, कटनी, जबलपुर, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी और नीमच में बारिश होने की संभावना है।

ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवान को मारी टक्कर

टूटा पैर, एयरपोर्ट के बाहर हंगामे की बनी स्थिति, साथियों ने पहुंचाया अस्पताल

संवाददाता ● भोपाल

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भोपाल आगमन के दौरान मंगलवार को एयरपोर्ट के बाहर हंगामे की स्थिति बन गई। ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक जवान हरवीर सिंह राणा को एक कार चालक ने तेज रफ्तार से रिवर्स मारते हुए टक्कर मार दी, जिससे जवान का बायां पैर टूट गया। घटना के तुरंत बाद साथी पुलिसकर्मियों ने घायल जवान को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कार जब्त कर ली है। कार में सवार युवक खुद को कांग्रेस कार्यकर्ता बता रहे थे और बैरसिया से भोपाल पहुंचे थे। जब जवान ने वाहन हटाने के लिए कहा तो कार सवार युवक अड़ गए। हरवीर सिंह ने सख्ती दिखाई तो कार चालक गुस्से में आ गया और पहले कार को थोड़ा आगे बढ़ाया। जवान को लगा कि वह कार पार्किंग में ले जा रहा है। लेकिन तभी चालक ने तेजी से कार को रिवर्स में लिया और जवान को टक्कर मार दी।

मामला

बोले- पतंजलि की मदद से मध्य प्रदेश की 'रिच ट्राइबल मेडिसिन' ढूंढ़कर निकालेंगे

एम्स में बनेगा प्रदेश का सबसे बड़ा हर्बल गार्डन

संवाददाता ● भोपाल

अब भोपाल के एम्स अस्पताल में सिर्फ एलोपैथी का इलाज ही नहीं, बल्कि हमारी पुरानी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का खजाना भी मिलेगा। एम्स भोपाल और बाबा रामदेव की पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन मिलकर प्रदेश का सबसे बड़ा हर्बल गार्डन बनाने जा रहे हैं। यह सिर्फ पेड़-पौधे लगाने तक सीमित नहीं होगा, बल्कि यह इलाज के नए और सस्ते तरीके ढूंढने में भी मदद करेगा। एम्स के निदेशक डॉ. अजय सिंह ने बताया कि यह हर्बल गार्डन कोई साधारण बगीचा नहीं होगा। इसमें सिर्फ मध्य प्रदेश के ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों और पूरे देश में मिलने वाले उन खास औषधीय पौधों को लगाया जाएगा जो शायद आपने पहले कभी न देखे हों। एम्स का मानना है कि इन पौधों में कई बीमारियों को ठीक करने की ताकत है, जिनके बारे में हम भूलते जा रहे हैं।

मदद

डॉ. सिंह के अनुसार प्रदेश में कई ऐसे इलाके हैं जहां बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय रहते हैं। ये समुदाय सदियों से जंगलों और प्रकृति के करीब रहे हैं। इन समुदायों के पास पेड़-पौधों, जड़ों, पत्तियों और छालों से बीमारियों का इलाज करने का बहुत पुराना और गहरा ज्ञान होता है। यह ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक रूप से चलता रहता है। इसे 'समृद्ध' इसलिए कहा गया है क्योंकि इस ज्ञान में कई ऐसी जड़ी-बूटियां और उनके इस्तेमाल के तरीके शामिल हैं जिनके बारे में आधुनिक विज्ञान अभी भी पूरी तरह नहीं जानता।

एम्स और पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन की टीमें ऐसे ट्राइबल वैद्य, हकीम या बुजुर्गों से मिलेंगे, जो इस पारंपरिक ज्ञान को जानते हैं। उनकी मदद से पौधों की पहचान करेंगे। जो जड़ी-बूटियां खोजी जाएंगी, उन पर एम्स में वैज्ञानिक रिसर्च की जाएगी। इससे पता चलेगा कि वे कितनी असरदार हैं, उनमें कौन से रासायनिक तत्व हैं। अगर ये पारंपरिक औषधियां वैज्ञानिक रूप से प्रभावी साबित होती हैं, तो उनसे नई, सस्ती और असरदार दवाएं बनाई जा सकेंगी। इससे आम लोगों को कम खर्च में बेहतर इलाज मिल पाएगा।

आरसीबी की जीत के बाद अनुष्का का बेस्ट रिएक्शन

देर रात आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला हुआ, जिसमें विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 18 साल के इंतजार को खत्म करते हुए खिताब अपने नाम किया। आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर यह ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस जीत ने टीम और फैंस में जोश भर दिया। हमेशा की तरह अनुष्का शर्मा अपने पति विराट कोहली को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंची थीं। जैसे ही आरसीबी ने फाइनल में जीत पक्की की, अनुष्का की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वह मैदान पर दौड़ते हुए विराट को गले लगाने पहुंचीं। यह भावुक पल दोनों के लिए बेहद खास था, और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। फैंस इस जोड़ी के जश्न को 'विरुष्का का जादू' बता रहे हैं। इस ऐतिहासिक जीत के बाद विराट कोहली ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा को दिल छू लेने वाला श्रेय दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अनुष्का स्टेडियम में मौजूद थीं और उनकी भावुक प्रतिक्रिया ने फैंस का दिल जीत लिया। मैच के बाद विराट ने कहा, "अनुष्का 2014 से आरसीबी को सपोर्ट कर रही हैं। यह उनके लिए भी 11 साल का सफर रहा है। वह हर मुश्किल और आसान मैच में स्टेडियम में थीं, हमें हारते और जीत के करीब पहुंचते देखा है। एक लाइफ पार्टनर जो आपके लिए करता है - उसका समर्पण, बलिदान और हर पल साथ देना - इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि अनुष्का ने उनके उतार-चढ़ाव में भावनात्मक रूप से हर कदम पर साथ दिया। विराट ने कहा, "खेलने वाले ही समझ सकते हैं कि पीछे क्या-क्या होता है। अनुष्का ने मुझे हर मुश्किल में संभाला। वह बेंगलुरु की बेटी हैं, यह जीत उनके लिए भी खास है।फइनल में अनुष्का स्टैंड्स में सफेद शर्ट और डेनिम में नजर आईं। जब RCB ने जीत पक्की की, तो वह खुशी से उछल पड़ीं और तालियां बजाती दिखीं। एक वीडियो में वह विराट को गले लगाते और सांत्वना देते हुए दिखीं, जब वह भावुक हो गए थे। फैंस ने अनुष्का को 'RCB की लकी चार्म' कहा। विराट ने 43 रन बनाए और सीजन में 657 रन के साथ टॉप स्कोरर रहे हैं।

मैनिफेस्टेशन से मेकओवर तक, 'रिश्तों से बंधी गौरी' शो में शिवानी गोसाइ बनीं 'कामिनी' से 'मंदाकिनी'!

टीवी की दुनिया में हर किरदार अपनी एक अलग एनर्जी लेकर आता है, लेकिन कभी-कभी ये खुद एक्टर की पॉजिटिव एनर्जी होती है जो बदलाव की शुरुआत करती है। ऐसा ही कुछ हुआ अनुभवी एक्ट्रेस शिवानी गोसाइ के साथ, जो सन नियो के शो 'रिश्तों से बंधी गौरी' में कामिनी का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में शिवानी ने न सिर्फ अपने किरदार में, बल्कि अपने ऑनस्क्रीन लुक में भी एक बड़ा बदलाव मैनिफेस्ट किया है।

शिवानी ने अपनी इस जर्नी को साझा करते हुए कहा, 'मैं काफी समय से इंडस्ट्री में हूं और हर तरह के रोल निभा चुकी हूं। अभी 'रिश्तों से बंधी गौरी' में काम कर रही हूं और मुझे अपना किरदार पसंद है। लेकिन सच कहूं तो मैं अपने लुक से खुश नहीं थी। सफेद साड़ी और टाइट बन वाला लुक मेरे पर्सनैलिटी से मेल नहीं खा रहा था। इसलिए मैंने एनर्जी चेंज करने के लिए मैनिफेस्टेशन का सहारा लिया। मैंने अपने मेकअप मिरर को उन लुक्स की तस्वीरों से भर दिया, जिनमें मैं खुद को सबसे ज्यादा ग्लैमरस, पॉवरफुल और जिंदा महसूस करती थी। हर दिन खुद से कहती थी कि मैं फिर से ऐसे ही दिखना और महसूस करना चाहती हूं और यकीन मानिए, मेरी मैनिफेस्टेशन काम कर गई।'

शिवानी ने आगे बताया,'जैसा कि आप जानते हैं, शो की कहानी में बुंदेला परिवार पर एक श्राप है। एक बहू जिसे जिंदा जला दिया गया था, अब उसकी आत्मा लौट रही है और उसका चेहरा कामिनी जैसा ही है। इसी ट्विस्ट के साथ मुझे पता चला कि अब मैं सिर्फ कामिनी ही नहीं, बल्कि 'मंदाकिनी' का किरदार भी निभाने वाली हूं और इसके साथ ही मेरा लुक पूरी तरह बदल गया। अब मैं एकदम नए अवतार में नज़र आ रही हूं – नए कपड़े, हेयरस्टाइल, मेकअप यह सबकुछ! और मुझे अपना नया लुक बेहद पसंद है। ऐसा लग रहा है जैसे मैं फिर से खुद को पा रही हूं। ये बदलाव मेरे लिए सिर्फ प्रोफेशनल नहीं, बल्कि पर्सनल लेवल पर भी बेहद खास है।'

अंत में शिवानी ने कहा,'ये साबित करता है कि जब आप खुद पर विश्वास रखते हैं, पॉजिटिव सोचते हैं और जो चाहते हैं उसे बार-बार महसूस करते हैं, तो यूनिवर्स आपकी ज़रूर सुनता है। अब मैं बेहद एक्साइटेड हूं कि दर्शक मुझे इस नए, दमदार अवतार में देखें – मंदाकिनी अब आ चुकी है और सब कुछ हिला कर रख देगी!' देखते रहिए 'रिश्तों से बंधी गौरी' हर रोज़ रात 8:30 बजे सिर्फ सन नियो पर।

थिएटर्स में राजकुमार राव की 'भूल चूक माफ' का जलवा, 50 करोड़ के पार हुई कमाई

एक्टर राजकुमार राव पिछले कुछ समय से हर तरफ छाए हुए हैं। उनकी फिल्में थिएटर्स में धूम मचा रही हैं। उनकी पिछली कुछ फिल्में 'स्त्री 2', 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में वो कॉमिक अंदाज में नजर आए थे। जिसमें से 'स्त्री 2' को जनता का खूब प्यार मिला था। अब वो 'भूल चूक माफ' से सभी को इंप्रेस कर रहे हैं। राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर 'भूल चूक माफ' का बज सोशल मीडिया पर रिलीज से पहले उतना नहीं था। मगर जबसे ये फिल्म रिलीज हुई है, तभी से इस फिल्म ने अपना जादू बिखेरना शुरू कर दिया है। फिल्म की कमाई थिएटर्स में उम्मीद से कई गुना ज्यादा बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। आज इस फिल्म को रिलीज हुए 9 दिन बीत चुके हैं, ऐसे में अभी तक इसने कुल कितनी कमाई की है, ये देखना दिलचस्प है। राजकुमार राव की 'भूल चूक माफ' के 9वें दिन का कलेक्शन सामने आ चुका है, जो काफी शानदार है। ट्रेड रिपोर्ट्स की मानी जाए, तो फिल्म ने अपने दूसरे शनिवार करीब 5।25 करोड़ रपये की कमाई की, जिसके बाद इसके 9 दिन का टोटल कलेक्शन 52।60 पहुंच गया है। इन आंकड़ों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऑडियंस को दूसरे वीकेंड में भी राजकुमार और वामिका की फिल्म पसंद आ रही है। मैडॉक फिल्म्स की 'भूल चूक माफ' 23 मई को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के साथ कोई बड़ी फिल्म थिएटर्स में रिलीज नहीं हुई थी। इसके पहले बॉलीवुड की तरफ से 'रेड 2' आई थी जो 1 मई को रिलीज हुई थी। अजय देवगन की फिल्म भी करीब 3 हफ्ते बिना किसी बड़ी रिलीज के थिएटर्स में दमदार चली थी। अब राजकुमार की फिल्म की कमाई पर असर सीधा 1 हफ्ते बाद पड़ेगा क्योंकि इसके बाद अक्षय कुमार की मल्टी स्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' आएगी जो 6 जून को रिलीज होगी। राजकुमार राव की फिल्म लगातार अच्छा परफॉर्म कर रही है। शनिवार के आंकड़ों के मुताबिक देखा जाए, तो उनकी फिल्म की कमाई में 9वें दिन करीब 45।24% का इजाफा देखा गया है। हालांकि 'भूल चूक माफ' बस कुछ ही दिनों में ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। ऑडियंस इसे अमेजॉन प्राइम पर रिलीज के दो हफ्तों के बाद स्ट्रीम कर पाएगी।

निमृत कौर अहलूवालिया को इसलिए छोड़नी पड़ी दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म, बताई वजह

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया ने 'छोटी सरदारनी' में मेहर के किरदार से अपनी खास पहचान बनाई। बिग बॉस में नजर आई निमृत मिस इंडिया की फाइनलिस्ट भी रह चुकी हैं। टीवी शोज के साथ एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म 'शौंकी सरदार' के साथ पंजाबी फिल्मों में कदम रखा है। इस फिल्म में एक्ट्रेस के साथ सिंगर और एक्टर गुरु रंधावा और बब्बू मान जैसे बड़े एक्टर्स हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं निमृत को दिलजीत दोसांझ के साथ भी फिल्म ऑफर की गई थी। हाल में दिए एक इंटरव्यू में निमृत ने बताया कि उन्हें दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म का ऑफर था। लेकिन उस समय वो टीवी शो में बिजी थीं और इतने दिनों की शूटिंग के लिए डेट्स नहीं दे पा रही थीं। इसी वजह से उन्हें फिल्म छोड़नी पड़ी।

सोनाक्षी ने खाया बीफ बर्गर

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बी-टाउन के सबसे चर्चित और पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। शादी के बाद से ही दोवों चर्चा में बने रहते हैं। दोनों की केमिस्ट्री को फैन्स काफी पसंद करते हैं। सोशल मीडिया पर कपल काफी एक्टिव रहता है। ऐसे में ट्रोल्स के निशाने पर भी बने रहते हैं। सोशल मीडिया ट्रोलिंग से बचना मुश्किल हो जाता है। हाल ही में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जब सोनाक्षी का बर्गर खाते हुए वीडिया वायरल हो गया और इसे देखने वाले लोगों ने कई गलत अटकलें लगाईं और सोचा कि एक्ट्रेस बीफ बर्गर खा रही हैं। इसी अनुमान के साथ लोगों ने ट्रोल करना शुरू किया। पूरा मामला क्या है जानें। दरअसल 2 जून को सोनाक्षी सिन्हा ने अपना 37वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उनके पति जहीर इकबाल ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इसमें सोनाक्षी सिन्हा एक बर्गर खाते हुए नजर आ रही थीं। इस वीडियो को शेयर करते हुए जहीर ने लिखा कि यह वीडियो उस दिन का है जब उन्होंने सोनाक्षी को शादी के लिए प्रपोज किया था और यह पल प्रपोजल के ठीक दो घंटे पहले का है, जिसमें एक्ट्रेस का पूरा फोकस खाने पर था।

आईपीएल की क्वीन 1 मिनट के कमा लेती हैं करोड़ों रुपये

बड़े पर्दे की खूबसूरत अदाकारा प्रीति जिंटा सिर्फ एक उम्दा अदाकारा ही नहीं हैं, बल्कि एक अच्छी बिजनेसवुमन भी हैं। पंजाब किंग्स की मालकिन होने के अलावा वह प्रोडक्शन और फिटनेस इंडस्ट्री में भी एक्टिव हैं। यकीनन आप एक्ट्रेस की नेट वर्थ जानकर हैरान हो जाएंगे। शिमला की रहने वाली प्रीति जिंटा ने साल 1998 में फिल्मों में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म दिल से थी जिसमें उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से हर किसी का दिल जीत लिया था। वीर जारा, लक्ष्य, कोई मिल गया, चोरी चोरी चुपके चुपके समेत कई हिट फिल्मों में अपनी भूमिका से पहचान हासिल की। प्रीति जिंटा पिछले 7 सालों से इंडस्ट्री से दूर हैं। आखिरी बार उन्होंने सनी देओल के साथ फिल्म भैयाजी सुपरहिट में काम किया था। भले ही वह बड़े पर्दे से दूर हैं, लेकिन बिजनेसफील्ड में वह बहुत एक्टिव हैं। फिटनेस इंडस्ट्री में इन्वेस्टमेंट करने से लेकर PZNZ मीडिया के नाम से प्रोडक्शन हाउस चलाने तक प्रीति जिंटा फिल्मों से इतर काम करके भी काफी पैसा कमा रही हैं। यही नहीं, प्रीति जिंटा इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल की क्रिकेट टीम पंजाब किंग्स की भी मालकिन हैं। वह करण पौल, नेस वदिया और मोहित बर्मन के साथ इस टीम को रन करती हैं। वह 2008 से टीम की को-ऑनर हैं। मनी कंट्रोल के मुताबिक, एक्ट्रेस ने उस वक्त इस टीम में 35 करोड़ रुपये की इन्वेस्टमेंट की थी जिसकी अब वैल्यू 350 करोड़ रुपये है।

झलक दिखलाजा गर्ल का इतना बदल गया लुक

90 के दशक के अंत के बाद से हिंदी सिनेमा में बड़ा बदलाव देखने को मिला। इंडस्ट्री में बोल्ड कंटेंट वाली मूवीज का निर्माण शुरू हो गया है। सुपरस्टार इमरान हाशमी के आगमन के बाद इसमें तेजी आई। इस दौरान उनके साथ स्क्रीन पर बहुत सारी एक्ट्रेसेज किसिंग सीन देती दिखीं। लेकिन उनमें से सबसे अधिक लोकप्रियता एक्ट्रेस उदिता गोस्वामी ने हासिल की। जी हां ये वही उदिता है, जो अक्सर मूवी के झलक दिखला जा गाने में नजर आई थीं। रातोंरात स्टार बनने वाली ये अभिनेत्री आज गुमनामी के साये में है और एक्टिंग छोड़कर ये काम कर रही है। 19 साल की उम्र में बतौर एक्ट्रेस उदिता गोस्वामी ने बॉलीवुड में कदम रखा था। शुरुआत में ही उन्होंने ये साबित कर दिया है कि बड़े पर्दे पर वह बोल्ड अवतार दिखाने से बिल्कुल भी नहीं कतरातीं। इमरान हाशमी स्टारर फिल्म अक्सर और जहर में उनका हॉट लुक प्रमाण मिला, जिनमें उन्होंने भर-भर के किसिंग और इंटीमेट सीन्स दिए। मौजूदा समय में अब उदिता गोस्वामी का लुक एक दम से बदल गया है। इसका अंदाजा उनके ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर मौजूद इन लेटेस्ट तस्वीरों को देखकर आसानी से लगा सकते हैं। 41 वर्षीय उदिता अब फिल्मों में काम नहीं करती हैं और बतौर डीजे आर्टिस्ट उन्होंने अपनी पहचान बनाई है।

गैंगस्टर बने राजकुमार राव का भौकाल है दमदार

एक्टर राजकुमार राव अपकमिंग फिल्म मालिक में गैंगस्टर की भूमिका में नजर आएंगे। निर्माताओं ने मंगलवार को फिल्म का धांसू टीजर जारी कर दिया है। एक्शन से भरपूर टीजर में राजकुमार का गजब का अंदाज देखने को मिला। राजकुमार ने इंस्टाग्राम पर 'मालिक' के टीजर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि पैदा नहीं हुए तो क्या, बन तो सकते हैं मालिक। टीजर आउट हो चुका है, 'मालिक' को मिलने 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आ जाना। दमदार डायलॉग्स के साथ राजकुमार का एकदम अलग अंदाज देखने को मिला। टीजर में राव कहते हैं कि दुनिया में दो तरह के लोग रहते हैं, एक तो मेहनत, मजदूरी करके, पसीना बहाकर रोटी कमाते हैं और दूसरा खून बहाकर अपना हक पाते हैं। हम दूसरे वालों में से हैं, जो पैदा तो मालिक बनकर नहीं हुए मगर, बन तो सकते हैं। टीजर में राजकुमार राव हाथ में बंदूक लिए तड़ातड़ गोलियां चलाते नजर आए। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का पोस्टर जारी किया था, जिसमें राजकुमार गाड़ी के ऊपर खड़े हुए हैं और हाथ में बंदूक भी पकड़ी हुई है। इस पोस्टर के ऊपर टैगलाइन है- मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या, बन तो सकते हैं। इस पोस्टर के साथ मेकर्स ने नई रिलीज डेट का भी एलान किया था। मेकर्स ने कैप्शन में लिखा था, पूरे प्रदेश और देश पर राज करने आ रहे हैं मालिक! फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। राजकुमार राव का रौब, रुतबा और राज मालिक के जरिए जुलाई में देखने को मिलेगा। फिल्म पहले 20 जून को रिलीज होने वाली थी। राजकुमार के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अब तक 30 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई अवॉड्र्स भी अपने नाम किए हैं। उन्होंने लव सेक्स और धोखा से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्हें गैंग्स ऑफ वासेपुर- पार्ट 2 और तलाश द आंसर लाइज विदिन जैसी फिल्मों में छोटे-छोटे रोल निभाए। लेकिन किस्मत उनकी 2013 में पलटी, जब वह काई पो चे और शाहिद जैसी फिल्मों में नजर आए। वह क्वीन, अलीगढ़, बरेली की बर्फी, ट्रैप्ड, न्यूटन, द व्हाइट टाइगर, लूडो, छलांग, भीड़, मोनिका, ओ माई डार्लिंग, बधाई दो और स्त्री-1 और 2 जैसी हिट फिल्में कर चुके हैं।

ब्लैक में ट्वीनिंग कर वेदांग रैना ने रूमर्ड गर्लफ्रेंड खुशी कपूर संग सेलिब्रेट किया था अपना बर्थडे

वेदांग रैना आखिरी बार आलिया भट्ट के साथ जिगरा में नजर आए थे। एक्टर ने अपना 25वां बर्थडे सेलिब्रेट किया था। उन्होंने अपना ये खास दिन करीबी दोस्तों और अपनों के साथ लंदन में मनाया। दिलचस्प बात ये है कि वेदागं के बर्थडे बैश में उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड खुशी कपूर भी शामिल हुई थीं। इसी के साथ दोनों के अफेयर के रूमर्स भी एक बार फिर तेज हो गए हैं। हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की, लेकिन जश्न की इनसाड तस्वीर ने नई अटकलों को हवा दे दी है। वेदांग और खुशी की कॉमन फ्रेंड करीमा बैरी ने एक्टर के बर्थडे बैश की इनसाइड तस्वीरें अपने इंस्टा स्टोरी पर शेयर की हैं। तस्वीर में वेदांग और खुशी ब्लैक में ट्वीनिंग करते हुए एक-दूसरे के करीब खड़े नजर आए। इस दौरान वेदांग के सामने टेबल पर दो चॉकलेट केक नजर आ रहे हैं जिन्हें वे काटते हुए दिख रहे हैं वहीं खुशी साथ में खड़ी हुईं ताली बजाते हुए हैप्पी बर्थडे सॉन्ग गाती हुई नजर आ रही हैं। इस जोड़ी की ये प्यारी तस्वीर अब इंटरनेट पर वायरल हो रही है। हालांकि वेदांग और ख़ुशी ने अपने रिश्ते के बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन फैंस को दोनों के रिलेशनशिप में होने के छोटे-छोटे हिंट मिलते ही रहते हैं। हाल ही में, ख़ुशी को छुट्टियों के दौरान वेदांग के नाम वाला ब्रेसलेट पहने देखा गया, जिससे उनके रिश्ते के बारे में और चर्चा शुरू हो गई थी।

मिलिए आरसीबी को जीत दिलाने वाले असली हीरो की बीवी से, एक ओवर में पलटी काया, सादगी से ही दिल जीत गईं नूपुर नागर

एजेंसी ● नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (फ्ङ्ढइ) 18 साल के बाद आईपीएल में जीत दर्ज कर चुकी है। पिछले 17 साल से फैंस को इस दिन का इंतजार था, जो 3 जून को 18वें सीजन में आया। जहां आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की। जिसके बाद से ही हर किसी की नजर विराट कोहली पर ही टिकी है, लेकिन टीम को जीत दिलाने वाले असली हीरो तो कोई और ही हैं। जिनकी बातें कुछ कम हो रही हैं।

दरअसल, हम भुवनेश्वर कुमार की बात कर रहे हैं। जिन्होंने एक ही ओवर में मैच का रुख बदल दिया। उनकी गेंदबाजी कमाल की रही। ऐसे में जब टीम जीती तो क्रिकेटर अपनी बीवी नूपुर नागर के साथ जश्न मनाते नजर आए। जिन्होंने सादे- सिंपल से रूप में ही अपना चार्म दिखाकर दिल जीत लिया। यकीन न हो तो आप खुद हसीना के लुक को देख लीजिए।नूपुर की बात करने से पहले बात दें कि भुवनेश्वर ने पहले नेहाल वढेरा को 15 रन पर आउट किया और फिर मार्कस स्टॉइनिस को भी 6 रन पर वापस पवेलियन भेज दिया, जिनके विकट आरसीबी की जीत के लिए अहम साबित हुए।

जिसके बाद टीम के जीतते ही उन्होंने अपनी पत्नी के साथ ट्रॉफी संग हंसी- खुशी पोज दिए। जहां पर्पल कलर की ड्रेस में हसीना का अंदाज बेहद शानदार लगा।नूपुर के लुक की डीटेल में बात करें तो उन्होंने पर्पल कलर की फ्रिल डीटेलिंग वाली ड्रेस पहनी। जिसकी नेकलाइन को सिंपल रखते हुए स्ट्रैपी स्लीव्स दी और स्कर्ट पोर्शन में प्लीटेड डिजाइन देकर फ्रिल जैसे लुक क्रिएट किया। जिससे उनकी मैक्सी ड्रेस सिंपल और बिना किसी एक्स्ट्रा कलर्स- डिजाइन के स्टाइलिश लगीं।

जिसे पहन नूपुर का मैक्सी ड्रेस में खूबसूरत अंदाज देखते ही बना।हमेशा ही अपने सादगी भरे लुक्स से दिल चुराने वाली नूपुर ने यहां ड्रेस के साथ ही एक्सेसरीज में भी कुछ एक्स्ट्रा नहीं किया। उन्होंने छोटे-से स्टड ईयररिंग्स पहने, तो पतली-सी गोल्ड चेन, डायमंड रिंग और वॉच पहनकर लुक को स्टाइल किया। इसके अलावा उन्होंने लग्जरी ब्रांड ८२' का बेज कलर का स्लिंग बैग भी कैरी किया।

नेचुरल ब्यूटी फ्लॉन्ट कर छाई

आखिर में जब बात लुक को फाइनल टच देने की आई, तो हसीना ने हेयर और मेकअप को भी बेसिक ही रखा। जिससे उनके चेहरे की नेचुरल ब्यूटी फ्लॉन्ट हुई और वह सिर से लेकर पैर तक, एकदम परफेक्ट लगा। तभी तो आईपीएल में स्टाइलिश लुक्स से छाने वालों में उनका नाम भी शामिल हो गया।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया करेंगे आरसीबी की टीम का सम्मान, टीम जीतने पर कोहली के लिए कही ये बात

एजेंसी ● बेंगलुरु

आईपीएल 2025 के फाइनल मुकाबले में आरसीबी की टीम ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हरा दिया। इसी के साथ आरसीबी का 18 साल पुराना इंतजार खत्म हो गया। कर्नाटक सरकार 18 साल के इंतजार के बाद पहली बार आईपीएल खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू टीम के लिए बुधवार को भव्य सम्मान समारोह का आयोजन करेगी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया विधान सौधा (विधानसभा) में रजत पाटीदार की कप्तानी वाली टीम का सम्मान करेंगे।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दी बधाई

सिद्धारमैया ने कहा, ह्यमैं आरसीबी टीम के सभी सदस्यों और उनके प्रशंसकों को बधाई देता हूं। पूरे देश और पूरे प्रदेश को उन पर गर्व है। आरसीबी ने कभी आईपीएल नहीं जीता था और यह 18वां साल है जिसमें उन्होंने जीता। मैं बहुत खुश हूं।ह्न उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ह्यआज चार बजे मैं विधान सौधा में टीम को सम्मानित करूंगा।ह्नह्न गृहमंत्री जी परमेश्वरा ने टीम को और विराट कोहली को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एक ही टीम के साथ 18 साल बिताने वाले कोहली एक रोल मॉडल हैं और आखिरकार उनकी प्रतिबद्धता और ईमानदारी रंग लाई।ऐसी खबरें थी कि विधान सौधा से चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम तक टीम की विजय परेड निकाली जाएगी लेकिन गृहमंत्री ने कहा कि सुरक्षा कारणों से ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा, ह्यटीम बस से विधान सौधा आएगी और बस से ही क्रिकेट स्टेडियम जाएगी। सुरक्षा कारणों से खुले वाहन में कोई विजय परेड नहीं होगी। मुख्यमंत्री द्वारा टीम के सम्मान के बाद एक या दो खिलाड़ी टीम की ओर से बोलेंगे। इसके अलावा कुछ नहीं होगा। केएससीए स्टेडियम पर कार्यक्रम होगा जिसके लिए सुरक्षा और ट्रैफिक के इंतजाम किए गए हैं।ह्न

सिर पर पगड़ी, गले में माला... दुल्हे की तरह सजाए गए टिम डेविड, सामने आया अनोखा लुक

एजेंसी ● नई दिल्ली

आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के बाद से ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फैंस काफी खुश हैं। बेंगलुरु शहर पूरी रात सोया नहीं। फैंस हर रोड से लेकर अपने घरों तक सेलिब्रेट कर रहे हैं। इसी बीच आरसीबी की टीम खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु में अपने होम ग्राउंड चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंची है। जहां फैंस के बीच खिलाड़ी अपने इस खिताब को सेलिब्रेट कर रहे हैं। खिलाड़ी काफी ज्यादा एन्जॉय करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार प्लेयर टिम डेविड भी दिखे। उन्हें खास अंदाज मे देखा गया।

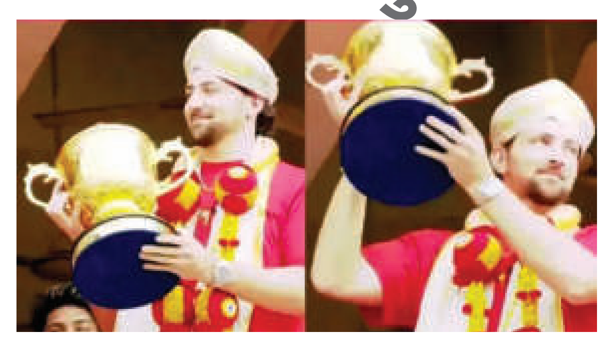

टिम डेविड का गजब अवतार

टिम डेविड आरसीबी के ट्रॉफी सेलिब्रेशन के दौरान माला और मुकुट पहने नजर आए। वह पूरी टीम से अलग दिख रहे थे। टिम डेविड की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही है। जहां फैंस उनके इस लुक को देखकर काफी हैरान हैं। टिम डेविड के आते ही आरसीबी ने 18 सालों के अपने सूखे को खत्म करते हुए खिताब अपने नाम किया। टिम डेविड का टीम में काफी अहम रोल रहा है। उन्होंने पूरे आईपीएल में टीम के मिडिल को संभाल कर रखा। हालांकि वह फाइनल मुकाबले में प्लेइंग 11 का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने इस सीजन कुल 12 मुकाबले खेले हैं।ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के खिलाड़ी टिम डेविड इसी सीजन आरसीबी के स्क्वाड में शामिल हुए थे। आरसीबी ने मेगा ऑक्शन के दौरान उन्हें 3 करोड़ रुपए में अपने साथ शामिल किया था। पिछले सीजन वह मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे, जहां उन्हें 8.25 करोड़ रुपए मिले थे। आरसीबी में इस साल टिम डेविड का रोल भी काफी अहम रहा है। उन्होंने 12 मैचों में 185.15 की स्ट्राइक रेट और 62.33 की औसत से 187 रन बनाए थे। इससे ही पता चलता है कि उन्होंने टीम के लिए फिनिशर का रोल अदा किया है।

बचपन की दोस्त वंशिका से कुलदीप यादव ने की सगाई

नई दिल्लीः भारतीय टीम के क्रिकेटर कुलदीप यादव ने अपने बचपन की दोस्त वंशिका से सगाई कर ली है। सगाई की रस्म लखनऊ में किया गया। इस दौरान रिंकू सिंह समेत कई भारतीय क्रिकेटर भी पहुंचे। हालांकि, कुलदीप और वंशिका की शादी की तारीख अभी सामने नहीं आई है। वंशिका उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं और कानपुर में एलआईसी में कार्यरत हैं। कुलदीप और वंशिका ने अपनी सगाई काफी प्राइवेट रखा। कुछ खास मेहमानों के अलावा सगाई समारोह में परिवार के सिर्फ करीबी सदस्य ही शामिल हुए। बता दें कि कुलदीप यादव और वंशिका बचपन के दोस्त हैं। बचपन की ये दोस्ती धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदली और अब ये इन दोनों शादी करने का फैसला लिया है। इससे पहले कुलदीप ने कभी भी अपने पर्सनल लाइफ और वंशिका के बारे में कुछ भी नहीं बताया था। हालांकि, वंशिका से सगाई के बाद फैंस उन्हें नई पारी की खूब बधाई दे रहे हैं।बता दें कि हाल ही में कुलदीप यादव आईपीएल 2025 में हिस्सा लेकर अपने घर लौटे।

आईपीएल में कुलदीप यादव दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा थे। हालांकि, उनकी टीम सीजन में अच्छी शुरूआत के बावजूद प्लेऑफ में नहीं पहुंची, लेकिन कुलदीप यादव का प्रदर्शन शानदार रहा। कुलदीप दिल्ली कैपिटल्स के लिए पूरे सीजन में 14 मैचों में मैदान पर उतरे, जिसमें उन्होंने 15 विकेट अपने नाम किए। इसके अलावा इसी महीने कुलदीप यादव भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर भी जाएंगे। इंग्लैंड और भारत के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है, जिसके लिए जल्द ही टीम इंडिया रवाना होने वाली है। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम सीरीज का पहला मैच 20 जून को खेलेगी। इससे पहले भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ी इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो प्रैक्टिस मैचों में हिस्सा ले रहे हैं।

विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक (दाएं) और यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना पेरिस के रोलाण्ड-गैरोस स्टेडियम में फ्रेंच टेनिस ओपन के क्वार्टर फाइनल मैच के बाद हाथ मिलाते हुए।

फैंस का हुजूम देख गदगद हुईं अनुष्का... विराट कोहली ने सीने से लगाई ट्रॉफी

एजेंसी ● बेंगलुरु

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली आरसीबी की आईपीएल 2025 में ऐतिहासिक जीत के बाद बेंगलुरु पहुंच गए हैं। बुधवार को अनुष्का ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने दिखाया कि उन्हें अपने पति की जीत पर कितना गर्व है। वीडियो में यह कपल बेंगलुरु पहुंचा। वहां सैकड़ों उत्साहित प्रशंसकों ने उनका स्वागत किया। विराट कोहली एक बस में सवार थे और उनके आसपास प्रशंसक खुशी से चिल्ला रहे थे। अनुष्का उनके साथ थीं।

अनुष्का ने पोस्ट को कैप्शन दिया, 'नम्मा बेंगलुरु करंट सीन्स'। इससे शहर का ऊजार्वान माहौल दिख रहा था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल 2025 की जीत भारत में किसी त्योहार से कम नहीं है। फैंस 18 साल बाद विराट कोहली की इस ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रहे हैं। पहले, कोहली ने मैच के बाद अपनी पत्नी को एक भावुक श्रद्धांजलि दी, जो अब वायरल हो रही है।विराट ने भावुक होते हुए कहा, 'वह 2014 से आरसीबी को सपोर्ट करने आ रही हैं, इसलिए यह उनके लिए भी 11 साल हो गए हैं।' 'वह लगातार यहां आ रही हैं - गेम्स देख रही हैं, मुश्किल दौर देख रही हैं, हमें बस चूकते हुए देख रही हैं। आपका जीवनसाथी आपके खेलने के लिए जो करता है, जो त्याग करता है, जो कमिटमेंट करता है, और हर मुश्किल में आपका साथ देता है - इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।'कई फिल्मी हस्तियों ने भी विराट कोहली को इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी। दीपिका पादुकोण, इब्राहिम अली खान, अल्लू अर्जुन, विजय देवरकोंडा और महेश बाबू जैसे सितारों ने भी आरसीबी की जीत का जश्न मनाया। आज सुबह, सुनील शेट्टी ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर विराट और अनुष्का के लिए एक प्यारा नोट लिखा।

शुभमन गिल के इंग्लैंड पहुंचने से पहले आ गई बड़ी खुशखबरी, पहले टेस्ट से बाहर हो सकता है ये अंग्रेज बॉलर

एजेंसी ● नई दिल्ली

पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंचने से पहले टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल को एक बड़ी खुशखबरी मिली है। भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से टेस्ट सीरीज की शुरूआत होगी, लेकिन उससे पहले इंग्लैंड की टीम को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल टीम के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन का पहले टेस्ट मैच में खेलना तय नहीं लग रहा है। एटकिंसन पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड के स्क्वाड में शामिल है। एटकिंसन को पिछले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में चोट लगी थी।

गस एटकिंसन को दाहिने हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन हुई है। इसी वजह से उनका उनका पहले टेस्ट मैच के लिए पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाना तय नहीं माना जा रहा है।

बता दें कि गस एटकिंसन इंग्लैंड की गेंदबाजी के प्रमुख सदस्य में से एक हैं। ऐसे में अगर वह इंग्लैंड के लिए पहले टेस्ट मैच में नहीं खेलते हैं तो बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा।सिर्फ गस एटकिंसन ही नहीं, जोफ्रा आर्चर का भी टेस्ट टीम में वापसी फिलहाल टल गया है। जोफ्रा आर्चर को अंगूठे में चोट लगी है। चोट के कारण आर्चर इंग्लैंड की टीम से लगातार अंदर बाहर होते रहे हैं। चोट के कारण ही वह वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में भी नहीं खे पाए। उनकी जगह ल्यूक वुड को वनडे सीरीज में मौका दिया गया। बता दें कि जोफ्रा आर्चर ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग में हिस्सा लिया था। टूनामेंट में वह राजस्थान रॉयल्स के लिए मैदान पर उतरे थे। राजस्थान के लिए कुछ एक मैचों को छोड़कर जोफ्रा आर्चर गेंदबाजी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे। वहीं अब उनका इंग्लैंड के लिए पहले वनडे और फिर टेस्ट सीरीज में नहीं खेलना किसी झटके से कम नहीं है।

बेंगलुरु स्टेडियम के बाहर लग्जरी कार चूर-चूर, आरसीबी के जश्न में डूबे फैंस ने पैरों तले रौंदकर निकाला कचूमर

एजेंसी ● बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और विराट कोहली की फैन फॉलोइंग पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। यह तो फिर भी बेंगलुरु उनका होम ग्राउंड और घर है। टीम जब अहमदाबाद में पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 के फाइनल में 6 विकेट से हराकर बेंगलुरु पहुंची तो सड़कें लाल रंग से ढक गई थीं। विराट की 18 नंबर की जर्सी में हजारों की संख्या में लोग टीम को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे तो पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए विक्ट्री परेड को रद्द करने का फैसला किया, लेकिन इसके बावजूद स्टेडियम के अंदर जाने के लिए भगदड़ मच ही गई।

रिपोट्र्स की मानें तो 7 फैंस की मौत हुई है, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हैं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। इस बीच न्यूज एजेंसी अठकने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक कार का बुरा हाल दिख रहा है। फैंस ने लग्जरी को कार को पैरों तले रौंद दिया। रियर विंड शील्ड और कार की छत बुरी तरह से कुचली गई दिख रही है।रिपोट्र्स की मानें तो बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फ्ङ्ढइ के फैंस ने खूब हंगामा किया। फैंस ने एक कार पर चढ़कर उसे नुकसान पहुंचाया। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने फ्ङ्ढइ के खिलाड़ियों के लिए सम्मान समारोह रखा। इसी वजह से बहुत सारे फैंस अपनी टीम को देखने आए थे। आज बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बहुत भीड़ थी।फैंस अपनी टीम की एक झलक पाने के लिए बेताब थे। इससे पहले विराट कोहली, रजत पाटीदार सहित बेंगलुरु टीम लाल रंग की खास टीशर्ट पहनकर बस में सवार होकर स्टेडियम पहुंची।

मुंबई के डोंगरी इलाके में मानसून आने से पहले मछुआरों ने अपनी नावों को तिरपाल से ढांक कर किनारे पर बांध दिया। बता दें कि मानसून में भारी बारिश और चक्रवात के चलते मछली पकड़ने के काम पर अस्थायी रोक लगा दी जाती है।

शॉर्ट न्यूज

चीन ने ताइवान के पास सैन्य गतिविधियां बढ़ाईं

हॉन्गकॉन्ग। चीन ने एक बार फिर ताइवान के चारों ओर अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं। बुधवार सुबह तक ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 2 लड़ाकू विमान और 12 नौसैनिक जहाज ताइवान के पास देखे गए। दोनों विमान ताइवान की हवाई सीमा (एडीआईजेड) में घुसे और उत्तरी व पूर्वी इलाकों में मीडियन लाइन को पार किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने पूरी स्थिति पर नजर रखी और जवाब भी दिया। एक दिन पहले यानी मंगलवार को भी 3 चीनी विमान, 10 नौसैनिक जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आस-पास देखे गए थे। उनमें से एक विमान ताइवान की हवाई सीमा में घुसा था। पिछले महीने चीन ने दो एयरक्राफ्ट कैरियर और कई युद्धपोत ताइवान के उत्तर और दक्षिण की ओर भेजे थे। 1 से 27 मई के बीच करीब 70 चीनी जहाजों की गतिविधियां येलो सी से साउथ चाइना सी तक देखी गईं।

सा. कोरिया के राष्ट्रपति चुनाव में जे-म्युंग जीते

सियोल। साउथ कोरिया के राष्ट्रपति चुनाव में वामपंथी रुझान वाली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया (डीपीके) के नेता ली जे-म्युंग ने जीत दर्ज की। उन्होंने सत्ताधारी पीपुल पावर पार्टी (पीपीपी) के किम मून सू को हराया। शुरुआती वोट काउंटिंग में ली 48.31% वोटों के साथ आगे हैं, जबकि किम को सिर्फ 42.9% वोट मिले। ली ने जीत के बाद कहा- मैं मतदाताओं का धन्यवाद करता हूं। मैं इस जिम्मेदारी को कभी नहीं भूलूंगा और देश को एकजुट करने, अर्थव्यवस्था को सुधारने और उत्तर कोरिया के साथ शांति स्थापित करने के लिए काम करूंगा। वहीं, किम मून ने हार स्वीकारते हुए कहा कि- मैं लोगों के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करता हूं और ली जे-म्युंग को जीत पर बधाई देता हूं। राष्ट्रपति चुनाव में कुल वोटर टर्नआउट 78.3% रहा, जो 1997 के बाद से सबसे ज्यादा है। जबकि 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में टर्नआउट 77.1% था। 1987 में में सबसे ज्यादा 89.2% वोटिंग हुई थी।

टेस्ला के मालिक ने कहा- मैं अब और सहन नहीं कर सकता

ट्रम्प का फंडिंग बिल शर्मनाक, देश को कंगाल बना रहा : मस्क

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए फंडिंग बिल की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसे घिनौना और शर्मनाक बताया है।

पोस्ट

उन्होंने ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं अब और सहन नहीं कर सकता। यह बिल बहुत बड़ा, बेतुका और फालतू खर्चों से भरा है। जो लोग इसके पक्ष में वोट दिए, उन्हें शर्म करनी चाहिए। मस्क ने कहा कि इस बिल से अमेरिका का बजट घाटा 2.5 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस (संसद) देश को दिवालिया बना रही है। एक दूसरे पोस्ट में उन्होंने कहा कि अगले साल नवंबर में हम उन सभी राजनेताओं को हटाएंगे जिन्होंने जनता को धोखा दिया है। व्हाइट हाउस के कई अधिकारी मस्क की इतनी तेज आलोचना से हैरान हैं। हालांकि उन्हें मस्क की राय पता थी, लेकिन उन्होंने इतनी सख्त सार्वजनिक प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं की थी। व्हाइट हाउस के कई अधिकारी मस्क की इतनी तेज आलोचना से हैरान हैं। हालांकि उन्हें मस्क की राय पता थी, लेकिन उन्होंने इतनी सख्त सार्वजनिक प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं की थी।

मस्क पहले ही ट्रम्प प्रशासन का साथ छोड़ चुके हैं

इलॉन मस्क ने पिछले हफ्ते ट्रम्प प्रशासन का साथ छोड़ दिया है। वह डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) में सलाहकार की भूमिका में थे। उन्होंने अपना कार्यकाल खत्म होने से एक दिन पहले इस बिल को लेकर नाराजगी जताते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। मस्क ने एक इंटरव्यू में कहा था कि डीओजीई का मकसद खर्चों में कटौती करना है और यह बिल उसके खिलाफ है। यह विवाद ऐसे समय पर हुआ है जब सीनेट में इस बिल पर बहस चल रही है और ट्रम्प खुद सीनेटरों को इसके समर्थन के लिए मना रहे हैं। ट्रम्प ने इस बिल की तारीफ करते हुए कहा कि यह अविश्वसनीय है और बजट घाटा कम करता है। उन्होंने संकेत दिया कि वो और बड़े टैक्स कट्स चाहते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी ने कहा कि राष्ट्रपति को मस्क की राय पहले से पता है और वे बिल को सही मानते हैं। लीविट ने कहा कि, "मस्क की बातों से ट्रम्प की राय पर कोई असर नहीं पड़ा है। यह एक बड़ा, सुंदर बिल है और राष्ट्रपति अपने फैसले पर कायम हैं।"

क्या है यह फंडिंग बिल

इस बिल का नाम वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट है। यह ट्रम्प के 2017 के टैक्स कट्स को आगे बढ़ाता है। इसके अलावा सेना व बॉर्डर सुरक्षा पर खर्च बढ़ाता है। लेकिन इसके बदले गरीबों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाएं, फूड सपोर्ट और अन्य योजनाओं में कटौती की जा रही है। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, यह बिल अगले 10 साल में अमेरिका के कर्ज में करीब 3.8 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा करेगा। अभी अमेरिका पर कुल 36.2 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है।

आज से शुरू होगी हज यात्रा, 6 दिन में 25 लाख तीर्थयात्री से मक्का पहुंचेंगे

रियाद ● एजेंसी

सऊदी अरब में आज से हज यात्रा शुरू होगी। इसके लिए रविवार तक 14 लाख रजिस्टर्ड तीर्थयात्री मक्का पहुंच चुके हैं, जबकि लाखों लोगों का आना बाकी है। यह यात्रा इस्लामी कैलेंडर के 12वें महीने जिल-हिज्जा की 8वीं से 12वीं तारीख (2025 में 4-9 जून) के बीच होती है। हज मुसलमानों का एक आध्यात्मिक और अनिवार्य धार्मिक कर्तव्य है। हर वो मुस्लिम जो शारीरिक, आर्थिक और मानसिक तौर पर सक्षम और स्वस्थ है, उसके लिए अपने जीवन में कम से कम एक बार हज करना अनिवार्य है। हज इस्लाम धर्म के पांच मूल स्तंभों में से एक है। हर साल दुनिया भर से लगभग 25 लाख मुस्लिम इस पवित्र यात्रा में शामिल होते हैं। इस साल भारत से लगभग 1.75 लाख लोग मक्का पहुंचेंगे। हज के दौरान मुस्लिम काबा (बैतुल्लाह) की परिक्रमा करते हैं और अल्लाह की इबादत में समय बिताते हैं। हज मुस्लिमों के लिए पापों से मुक्ति, आध्यात्मिक शुद्धि और अल्लाह के करीब आने का मौका है।

सड़क पर पटका, गर्दन को घुटने से दबाया

पंजाबी युवक को ऑस्ट्रेलिया पुलिस ने पत्नी के सामने पीटा

एडिलेड ● एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में पंजाब के रहने वाले गौरव कुंडी की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने बर्बरता की। आरोप है कि पुलिस ने उन्हें जमीन पर गिराया और गर्दन पर घुटना रखकर दबाया। इससे उनका सिर कार और सड़क से टकराया और वह मौके पर ही बेहोश हो गए। गौरव की पत्नी अमृतपाल कौर ने पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें गौरव चिल्लाते हुए कह रहे हैं- मैंने कुछ गलत नहीं किया। अमृतपाल बार-बार पुलिस से विनती करती रहीं, लेकिन अधिकारियों ने बल प्रयोग जारी रखा। अब गौरव कोमा में हैं और एडिलेड के रॉयल अस्पताल में वेंटिलेटर पर हैं। डॉक्टरों का कहना है कि उनके दिमाग को गंभीर क्षति पहुंची है। उनकी हालत बेहद नाजुक है। घटना बुधवार सुबह एडिलेड के ईस्टर्न सबर्ब्स स्थित पायनेहम रोड की है। गौरव और उनकी पत्नी अमृतपाल कौर के बीच यहां पर बहस हो रही थी। अमृतपाल ने खुद बताया है कि उस वक्त उनके पति गौरव शराब के नशे में थे और वह ऊंची आवाज में बोल रहे थे, लेकिन किसी तरह की मारपीट नहीं हो रही थी।

पुलिस ने गिराया, दबाया, सिर टकराया

अमृतपाल ने बताया कि पुलिस ने गौरव को पहले जमीन पर गिराया, फिर गले पर घुटना रख दिया। उनका सिर पहले पुलिस की गाड़ी और फिर सड़क से टकराया। गौरव चिल्लाते रहे, लेकिन पुलिस कर्मचारियों ने एक नहीं सुनी। इसके बाद गौरव बेहोश हो गए। उसी वक्त वह मोबाइल से वीडियो बना रही थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने आदेश पर साइन किए

अमेरिका में स्टील और एल्युमिनियम पर 50% टैरिफ लागू

संवाददाता ● वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका में आज से स्टील और एल्युमिनियम के आयात पर 50% टैरिफ लागू हो गया है।

आदेश

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इससे जुड़े आदेश पर साइन कर दिए हैं। हालांकि उन्होंने इस टैरिफ से ब्रिटेन को बाहर रखा है। उस पर पहले की तरह 25% टैरिफ ही लागू होगा, क्योंकि अमेरिका और ब्रिटेन के बीच पहले से ट्रेड समझौते पर बातचीत जारी है। ट्रम्प ने 30 मई को स्टील और एल्यूमीनियम इंपोर्ट पर मौजूदा टैरिफ को 25% से बढ़ाकर 50% करने घोषणा की थी। उन्होंने इसके लिए यूएस ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट 1962 की धारा 232 के तहत नेशनल सिक्योरिटी चिंताओं का हवाला दिया था। अगर किसी तरह के आयात से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है, तो इस कानून के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को व्यापार पर पाबंदियां लगाने का अधिकार होता है।

ट्रम्प के स्टील और एल्यूमीनियम इंपोर्ट पर टैरिफ में अपकमिंग बढ़ोतरी से 4.56

बिलियन डॉलर यानी 39 हजार करोड़ रुपए के भारतीय मेटल एक्सपोर्ट पर असर पड़ने की संभावना है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपने एक नई एनालिसिस रिपोर्ट में यह बात कही है। अमेरिकी बाजार में इंडियन मैन्युफैक्चरर्स और एक्सपोर्टर्स के लिए प्रोडक्ट कॉस्ट बढ़ने की उम्मीद है, जिससे उनकी कॉम्पिटेटिवनेस पर असर पड़ सकता है। जीटीआरआई जीटीआरआई ने कहा, 'भारत पर टैरिफ में बढ़ोतरी का डायरेक्ट असर होगा। वित्त वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 4.56 बिलियन डॉलर की वैल्यू का लोहा, स्टील और एल्युमीनियम प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट किया है।'

पर्यावरण प्रभावों को लेकर भी चिंता जताई

जीटीआरआई ने अमेरिकी कदम से पर्यावरण पर होने वाले प्रभावों को लेकर भी चिंता जताई है। थिंक टैंक ने कहा, 'स्टील और एल्युमीनियम मैन्युफैक्चरिंग से ग्लोबल लेवल पर कार्बन उत्सर्जन होता है। जबकि अन्य देश एनवायरनमेंट फ्रेंडली प्रोडक्शन मेथड्स में निवेश करते हैं, अमेरिकी पॉलिसी में पर्यावरणीय विचारों का अभाव है।' जीटीआरआई ने कहा, 'यह फैसला ट्रम्प प्रशासन की पर्यावरण संरक्षण की तुलना में आर्थिक राष्ट्रवाद के प्रति प्राथमिकता को दर्शाता है।' साथ ही जीटीआरआई ने यह भी कहा कि यह ग्लोबल क्लाइमेट गोल्स और सस्टेनेबल इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के प्रति अमेरिका के कमिटमेंट पर भी सवाल उठाता है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।

संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)